आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 100 | उज्जैन, रविवार 02 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

कोटेश्वर शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण के लिये तैयार करें एस्टीमेट-मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री बालाघाट के लांजी में 8 दिवसीय कोटेश्वर महोत्सव में हुए शामिल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोलेबाबा वरदानी है, वें सरलता, तरलता, निश्छलता के प्रतीक है। भोलेनाथ की जटाओं में गंगा माता विराजी है। बाबा के ह्रदय से प्रेम की गंगा बहती है, उनके लिए सभी जन समान है, इसलिए बाबा महादेव कहलाते है, जिन्हें सब समान रूप से पूजते है। उन्होंने कोटेश्वर शिवमंदिर के सौंदर्यीकरण के लिये एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लांजी में भगवान बिरसा मुण्डा और रानी अवंतिबाई की प्रतिमाओं का अनावरण भी किया। उन्होंने कहा कि किरनापुर को नगर पंचायत बनाया जायेगा। कारंजा हायर

सेकेण्डरी स्कूल का नाम श्री बाला साहब देवरस के नाम पर होगा। मुख्यमंत्री बालाघाट के लांजी में आठ दिवसीय आध्यात्मिक व सांस्कृतिक कोटेश्वर महोत्सव में आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मेले हमारी सांस्कृतिक परम्परा का अहम हिस्सा है। उन्होंने होली की अग्रिम शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि होली का त्यौहार पिछड़ों से मिलने का त्यौहार है। संक्रांति मेलों का आयोजन शुरू होता है और वर्ष भर आनंद में सभी का समय व्यतीत होता है। महाकाल की नगरी उज्जैन से शिवरात्रि के अवसर पर विक्रमोत्सव प्रारम्भ हुआ, राजा विक्रमादित्य का जीवन अद्भुत है,जो न्याय, धर्म, ज्ञान, संस्कृति, और वीरता का प्रतीक है,राजा विक्रमादित्य के नाम से प्रारम्भ विक्रम संवत गुड़ी पड़वा से प्रारम्भ होता है।

धान उत्पादक किसानों को मिलेगा लाभ, आवासहीन को मिलेंगे आवास मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के धान उत्पादक किसानों को मुख्यमंत्री कृषक प्रोन्नति योजना में 4 हजार रुपये प्रति हेक्टयर अतिरिक्त लाभ दिया जाएगा।

रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी नहीं मिल रही, अंदर भी जाने नहीं दिया, सुरंग में फंसे मजदूरों के घरवालों की बढ़ी बेचैनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेलंगाना में हादसे के आठ दिन बाद भी सुरंग में फंसे 8 लोगों को बाहर नहीं निकाला जा सका है। इसी बीच अधिकारियों का कहना है कि बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। सुरंग के अंदर से लगातार गाद को निकाला जा रहा है। वहीं अंदर फंसे लोगों के परिजनों की बेचैनी लगातार बढ़ती जा रही है। सभी परिवारों को अपनों की सुरक्षित वापसी का इंतजार है।

सुरंग में फंसे गुरप्रीत सिंह के रिश्तेदारों ने दावा किया कि उन्हें बचाव अभियान से जुड़ा कोई अपडेट नहीं मिला है। एक अन्य रिश्तेदार ने कहा कि हमने अधिकारियों से आग्रह किया था कि सुरंग के अंदर जाने की अनुमति दी जाए, मगर हमारे अनुरोध को स्वीकार नहीं किया गया।

सुरंग से गाद को हटाया जा रहा- उधर, अधिकारियों का कहना है कि बचाव अभियान तेज कर दिया गया है। सेना की मेडिकल टीमें वर्तमान में एसएलबीसी सुरंग में तैनात हैं। पानी और कीचड़ की वजह से ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। सुरंग से गाद को हटाया जा रहा है। एक अन्य अधिकारी ने कहा कि सिंगरेनी के खनन विशेषज्ञों, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल, राज्य आपदा मोचन बल, भारतीय सेना और अन्य एजेंसियों के साझा प्रयास से बचाव अभियान जारी है।

कब शुरू होगी मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन? रेल मंत्री ने दिया अहम अपडेट, कहा- 360 किमी का काम लगभग पूरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की पहली बुलेट ट्रेन अहमदाबाद और मुंबई के बीच चलने वाली है। देशवासियों को काफी समय से इस ट्रेन का इंतजार है। इस बीच रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुलेट ट्रेन को लेकर अपडेट दिया है।

रेल मंत्री ने बताया कि 360 किलोमीटर का काम लगभग पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि इसे पूरा करने में ढाई वर्षों की देरी महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे द्वारा अनुमति नहीं दिए जाने की वजह से हुई है।

इस बीच, केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने शनिवार को पहली बार मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल परियोजना का निरीक्षण किया और भारत के बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में इस पहल की सराहना की।

ये पीएम मोदी का विजन है- रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधुनिक रेलवे नेटवर्क के दृष्टिकोण का हिस्सा है, जिसने लगभग एक लाख लोगों को रोजगार दिया है। मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय रेल राज्य मंत्री ने परियोजना के कार्यान्वयन के लिए प्रशंसा व्यक्त की। उन्होंने कहा मैं यहां पहली बार आया हूं।

मणिपुर पर शाह की बड़ी बैठक, 8 मार्च से सभी सड़कों पर यातायात सामान्य करने का निर्देश; बाधा पहुंचाने वालों पर होगा एक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगने के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित ने पहली बार अहम बैठक की। मीटिंग में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की गई। इस दौरान मणिपुर में सामान्य स्थिति बहाल करने और अवैध व लूटे गए हथियारों के आत्मसमर्पण पर जोर दिया गया।

बैठक में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, सेना और अर्धसैनिक बलों के शीर्ष अधिकारी मौजूद रहे। गृह मंत्री अमित शाह ने 8 मार्च से मणिपुर में सभी सड़कों पर लोगों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि सड़कों पर अवरोध पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

स्थिति सामान्य करने पर फोकस- सूत्रों के मुताबिक गृह मंत्री अमित शाह ने मणिपुर में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। उन्हें मणिपुर में कानून-व्यवस्था की विस्तृत जानकारी दी गई। सूत्रों ने बताया कि बैठक का पूरा फोकस मई 2023 से पहले की सामान्य स्थिति को बहाल करने और विभिन्न समूहों के पास मौजूद अवैध और लूटे गए हथियारों को सरेंडर करने पर था। बता दें कि मणिपुर में मई 2023 में जातीय हिंसा फैली है। अब तक हिंसा की चपेट में आकर 250 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है।

13 फरवरी को लगा था राष्ट्रपति शासन- मणिपुर विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक था। मगर एन बीरेन सिंह ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। इसके बाद विधानसभा को निलंबित कर दिया गया था। 20 फरवरी को राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने उन सभी लोगों को आत्मसमर्पण का अल्टीमेटम दिया था,. जिनके पास अवैध और लूटे गए हथियार हैं।

केरल में छात्र के गुटों के बीच हुई झड़प, घायल 16 वर्षीय स्कूली छात्र की हुई मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोझिकोड जिले में एक निजी ट्यूशन सेंटर के पास छात्रों के बीच हुई झड़प में सिर में गंभीर चोट लगने से घायल 10वीं कक्षा के एक छात्र की शनिवार को मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी है।

छात्रों की लड़ाई में एक की मौत- कोझिकोड सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज करा रहे 16 वर्षीय मुहम्मद शाहबास की रात करीब 1 बजे मौत हो गई। घटना के सिलसिले में पांच छात्रों को हिरासत में लिया गया है और उनके खिलाफ हत्या का आरोप लगाया जाएगा। सभी को किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया जाएगा। बता दें, यह विवाद कथित तौर पर 23 फरवरी को थामरस्सेरी के एक ट्यूशन सेंटर में एक विदाई पार्टी के दौरान हुए विवाद से उपजा था। यह बहस इतनी बढ़ गई कि गुरुवार को एक और विवाद हो गया था।

मंत्री का बयान आया सामने- इस मामले को लेकर सामान्य शिक्षा मंत्री वी शिवनकुट्टी ने शनिवार को सामान्य शिक्षा निदेशक को घटना की विभागीय जांच शुरू करने का निर्देश दिया। बयान जारी कर मंत्री ने छात्र की मौत पर शोक व्यक्त किया है।

उन्होंने कहा, पुलिस घटना की गहन जांच कर रही है। इसके अलावा, कोझिकोड के शिक्षा उप निदेशक ने जांच के बाद प्रारंभिक रिपोर्ट सौंपी है। बता दें गुरुवार शाम करीब 5 बजे थमारस्सेरी के वेझुप्पुर रोड पर हुई इस घटना में दो स्थानीय स्कूलों के छात्र शामिल थे।

रंगारेड्डी में इमारत में भीषण आग लगने से बच्ची समेत तीन लोगों की मौत, दो घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। रंगारेड्डी के पुप्पलगुडा में उस्मान किराना दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए हैं। इसकी जानकारी पीएस नरसिंगी के SHO हरि कृष्ण ने दी है।

पुलिस के अनुसार, घटना 28 फरवरी को शाम करीब 5:30 बजे हुई जब शॉर्ट सर्किट के कारण किराना दुकान के अंदर एक रेफ्रिजरेटर फट गया, जिससे आग लग गई, जो तेजी से तीन मंजिला इमारत की ऊपरी मंजिलों तक फैल गई।

ब्रिटिश काल के डांस बैन पर लुटियन जमात और खान मार्केट गैंग चुप, पीएम मोदी ने विपक्ष पर किया तीखा हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लुटियन जमात और खान मार्केट गैंग पर कटाक्ष किया। उन्होंने इस गैंग को अंग्रेजों के समय के एक विचित्र कानून की याद दिलाई। पीएम मोदी ने इस कानून पर उनकी चुप्पी पर सवाल उठाया।

नई दिल्ली में एनएक्सटी कॉन्क्लेव 2025 में पीएम मोदी ने कहा कि मैं लुटियन जमात और खान मार्केट गैंग से हैरान हूं कि वे इतने सालों से चुप हैं। पीएम ने सवाल पूछा कि ये जनहित याचिका के ठेकेदार जो हर बार अदालतों के चक्कर लगाते हैं, वे उस समय स्वतंत्रता के बारे में क्यों चिंतित नहीं थे?

हमारी सरकार ने कानून किया खत्म- अंग्रेजों ने अपने शासनकाल में 150 साल पहले एक कानून बनाया था। इसके तहत अगर किसी शादी में 10 लोग एक साथ डांस करते हैं तो पुलिस दूल्हे और अन्य लोगों को गिरफ्तार कर सकती है। पीएम मोदी ने कहा कि यह कानून आजादी के 75 साल बाद भी लागू रहा। मगर हमारी सरकार ने इसे खत्म किया।

पीएम मोदी ने कहा कि अंग्रेजों ने 150 साल पहले एक नाट्य प्रदर्शन अधिनियम बनाया था। यह कानून आजादी के 75 साल बाद भी लागू था। इसका मतलब है कि अगर शादी में 10 से अधिक लोग डांस करते हैं तो पुलिस दूल्हे के साथ सभी लोगों को गिरफ्तार कर सकती है। मगर हमारी सरकार ने अब इस कानून को खत्म कर दिया। मुझे उस समय की सरकार और नेताओं से कुछ नहीं कहना है।

अगर मैं कानून लाता तो क्या होता?

पीएम मोदी ने कहा कि अगर मोदी ऐसा कानून (नाट्य प्रदर्शन अधिनियम) लाते तो सोचिए क्या होता? अगर सोशल मीडिया पर ट्रोल्स ऐसी कोई झूठी सूचना ही फैला देते तो ये लोग आग लगा देते। मोदी के बाल नोच लेते। मगर यह हमारी सरकार है जिसने अंग्रेजों के समय के इस कानून को खत्म किया है।

बांस काटने पर हो जाती जेल- पीएम मोदी ने आगे बताया कि पिछले 10 सालों में केंद्र सरकार ने अपनी प्रासंगिकता खो चुके लगभग 1500 कानूनों को खत्म किया है। पीएम मोदी ने कहा कि बांस पूर्वोत्तर में आदिवासी समुदायों के जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है। पहले बांस काटने पर लोगों को जेल हो जाती थी, क्योंकि पिछले सरकारें इसे एक पेड़ मानती थीं। इस पर पेड़ से संबंधित कानून लागू होते थे। हमारी सरकार ने इन कानूनों को खत्म किया।

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच हुई तीखी बहस तो वायरल हुआ यूक्रेनी राजदूत का रिएक्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी समकक्ष वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच शुक्रवार को वाशिंगटन डीसी में तीखी बहस हुई। इसके बाद ट्रंप ने जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से जाने तक को कह दिया। दोनों के बीच हुई तीखी बहस दुनियाभर में चर्चा का केंद्र रही। इसकी वजह यह थी कि बहस को मीडिया में प्रसारित किया गया था।

ट्रंप ने कहा- यह अमेरिका का अपमान

डोनाल्ड ट्रंप ने जेलेंस्की पर अमेरिका का अपमान करने का आरोप लगाया। अमेरिका और यूक्रेन के बीच खनिज समझौता भी नहीं हो सका। दोनों नेताओं के बीच एक प्रेस कॉन्फ्रेंस तय थी। मगर नोकझोंक के बाद जेलेंस्की व्हाइट हाउस से चले गए। इस बीच अमेरिका में यूक्रेन की राजदूत का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

ट्रंप और जेलेंस्की के बीच बहस के दौरान यूक्रेनी राजदूत ओक्साना मार्कारोवा काफी चिंतित दिखीं। मार्कारोवा के चेहरे पर तनाव साफ जाहिर हो रहा है। वे अपना सिर नीचे झुका लेती हैं और अपनी नाक पकड़ लेती हैं। अब उनका वीडियो दुनियाभर में वायरल है।

मैं तुरंत युद्धविराम चाहता हूं- ट्रंप और जेलेंस्की के बीच रूस युद्ध पर चर्चा होनी थी। खनिज से जुड़ा एक समझौता भी होना था। मगर कुछ ही देर में दोनों नेताओं की मुलाकात तीखी बहस में बदल गई। बहस के बाद ट्रंप ने कहा कि जेलेंस्की रूस के साथ युद्धविराम के इच्छुक नहीं हैं। वह (वोलोडिमिर जेलेंस्की) कहते हैं कि अभी वापस आना चाहते हैं। मगर मैं ऐसा नहीं कर सकता। उन्हें तत्काल युद्धविराम करना चाहिए। अगर आप युद्ध समाप्त करना चाहते हैं तो आपको एक ऐसे समझौते पर हस्ताक्षर करना होगा। इसमें कुछ समय लग सकता है। मैं चाहता हूं कि युद्ध तुरंत समाप्त हो। मुझे लगता है कि अगर आप युद्ध विराम करते हैं तो यह एक वास्तविक युद्ध विराम होगा। मगर जेलेंस्की ऐसा नहीं करना चाहते हैं।

एक-दूसरे की उड़ाई खिल्ली- डोनाल्ड ट्रंप ने जेलेंस्की से कहा कि अमेरिका को क्या करना है यह आप तय नहीं करेंगे। उन्होंने जेलेंस्की पर लाखों जिंदगियों के साथ खेलने का आरोप लगाया। यह भी कहा कि यूक्रेन हमारी वजह से सलामत है और आप हमारी ही अपमान करने में जुटे हैं। बहस के दौरान दोनों नेता एक-दूसरे की खिल्ली उड़ाते नजर आए। जेलेंस्की ने साफ शब्दों में कहा कि वह रूस के साथ युद्धविराम नहीं मानेंगे। अमेरिका रूस के साथ कोई समझौता न करे।

जेलेंस्की ने कहा- माफी नहीं मांगूगा- उधर, यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यह बेहद अहम है कि यूक्रेन की बात को सुना जाए। उसे भुलाया नहीं जाना चाहिए।

सरकारी कर्मचारियों पर फिर एक्शन के मूड में ट्रंप, ईमेल भेजकर उपलब्धियां बताने को कहा; जवाब न देने वालों पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। संघीय कर्मचारियों को एक और ईमेल भेजा गया है, जिसमें उन्हें हाल की उपलब्धियां गिनाने का निर्देश दिया गया है। यह ईमेल मूलरूप से शुक्रवार देर रात कुछ कर्मचारियों के इनबाक्स में आया।

इस बीच, कई एजेंसियों ने अपने लोगों को इस पर कोई प्रतिक्रिया न देने का निर्देश दिया गया है। इससे पहले पिछले हफ्ते एक ईमेल भेजा गया था, जिसमें उनसे पूछा गया था कि आपने पिछले सप्ताह क्या किया। उन्हें पांच प्वाइंट में बताएं।

मामले की जानकारी रखने वाले एक शख्स का कहना है कि कार्मिक प्रबंधन कार्यालय द्वारा भेजे जाने के बजाय ईमेल व्यक्तिगत एजेंसियों से आना था, जिनके पास कैरियर अधिकारियों की सीधी निगरानी होती है। लेकिन दो अलग-अलग एजेंसियों के कुछ कर्मचारियों को शुक्रवार देर रात जो ईमेल प्राप्त हुआ उसमें पूछा गया कि आपने पिछले सप्ताह क्या किया। इसमें ओपीएम का ही पता था। यह भी लगभग पिछली ईमेल की ही तरह था।

ट्रंप ने जवाब न देने वालों पर कसा था तंज- व्हाइट हाउस के अनुसार, ईमेल का आधे से भी कम संघीय कर्मचारियों ने जवाब दिया। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले ईमेल का जवाब न देने वाले कर्मचारियों को लेकर कहा कि जवाब न देने से वे रोमांचित नहीं हैं। शायद हम ऐसे लोगों को भुगतान कर रहे हैं, जो अस्तित्व में ही नहीं हैं।

वहीं, शिक्षा विभाग ने कर्मचारियों को 25,000 डालर की पेशकश की और आसन्न छंटनी की चेतावनी दी। सभी एजेंसी कर्मियों को भेजे ईमेल में उन्हें प्रस्ताव पर निर्णय लेने के लिए सोमवार तक का समय दिया गया। इस पर पूछे जाने पर एजेंसी ने तुरंत कोई टिप्पणी नहीं की।

डोनाल्ड ट्रंप के एक हालिया कार्यकारी आदेश को डेमोक्रेटिक पार्टी ने शुक्रवार को कोर्ट में चुनौती दी है। इसमें कहा गया है कि यह आदेश संघीय चुनाव कानून का उल्लंघन है, क्योंकि इससे ट्रंप को स्वतंत्र संघीय चुनाव आयोग पर बहुत अधिक शक्ति मिल गई है।

चीन में बड़ा हादसा, शिप और नाव की टक्कर में 11 लोगों की मौत; पांच लापता

नई दिल्ली (एजेंसी)।चीन के दक्षिणी हिस्से में एक नदी में तेल रिसाव को साफ करने वाले एक पोत ने एक छोटी नौका को टक्कर मार दी। इस हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई है और पांच अन्य लोग लापता बताए जा रहे हैं।

सरकारी मीडिया ने शुक्रवार रात को इस हादसे के बारे में जानकारी दी थी। देश की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ के हवाले से पीटीआई ने बताया कि मंगलवार को ये घटना घटी थी।

पानी में गिरे थे 19 लोग - समाचार एजेंसी के मुताबिक, मंगलवार सुबह हुनान प्रांत में युआनशुई नदी में एक पोत ने एक छोटी नौका को टक्कर मार दी थी, जिसके बाद 19 लोग पानी में गिर गए थे। हालांकि समय रहते तीन लोगों को बचा लिया गया था।

घटना उस जगह पर घटी थी, जहां नदी औसतन 60 मीटर (200 फुट) से अधिक गहरी और 500 मीटर (1600 फुट) चौड़ी है। तलाश एवं बचाव अभियान लगातार जारी है।

जांच के दायरे में पोत में सवार तीन लोग- दुर्घटना में बचे एक व्यक्ति के रिश्तेदार ने शंघाई के समाचार पत्र को बताया कि नाव के जरिए ही वो लोग गांव से आना-जाना करते हैं।

आप सूट क्यों नहीं पहनते हैं?, ट्रंप के सामने जेलेंस्की से पूछा गया सवाल तो मिला करारा जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की के बीच वाशिंगटन डीसी स्थित ओवल ऑफिस में हुई मुलाकात देखते ही देखते तीखी बहस में बदल गई। बात इतनी बिगड़ गई कि ट्रंप ने जेलेंस्की को व्हाइट हाउस से जाने को कह दिया।

इसके बाद यूक्रेनी राष्ट्रपति खनिज समझौते पर हस्ताक्षर किए बिना लौट गए। उन्होंने ट्रंप के साथ पहले से ही तय प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा भी नहीं लिया। मगर उससे पहले ट्रंप के साथ मुलाकात के दौरान एक मीडियाकर्मी ने जेलेंस्की से एक दिलचस्प सवाल पूछा।

रियल अमेरिकाज वॉयस के चीफ व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट ब्रायन ग्लेन ने यूक्रेनी राष्ट्रपति से पूछा कि आप सूट क्यों नहीं पहनते हैं? क्या आपके पास सूट है। अमेरिका के बहुत से लोगों को लगता है कि आप अपने पद की गरिमा का सम्मान नहीं करते हैं। सवाल के जवाब में जेलेंस्की ने कहा कि मैं युद्ध खत्म होने के बाद सूट पहनूंगा। शायद आपकी तरह। हो सकता है कि इससे बेहतर भी। शायद इससे कुछ सस्ता। डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन पर लगातार युद्ध विराम का दबाव बनाने में जुटे हैं। इसी मुद्दे पर अमेरिका और यूक्रेन के बीच बातचीत बेनतीजा रही।

करारा तमाचा पड़ा... ट्रंप-जेलेंस्की की लड़ाई पर रूस ने लिए मजे; यूक्रेन पर कसा तंज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका पहुंचे यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और डोनाल्ड ट्रंप में आज कैमरे के सामने तीखी बहस देखने को मिली। रूस से युद्ध खत्म करने पर बात करने पहुंचे जेलेंस्की ने ट्रंप से ही लड़ाई मोल ले ली। अब इस बहस के मजे लेते हुए रूस ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की पर तंज कसा है।

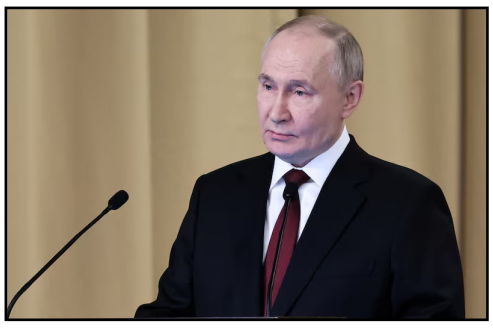

रूस ने व्हाइट हाउस में ट्रंप और जेलेंस्की के बीच तीखी बहस पर खुशी जताई और कहा कि वो इसी के हकदार थे। रूस ने कहा कि ये लड़ाई मॉस्को के लिए एक तोहफा है, जो ट्रंप की नई सरकार के साथ बेहतर संबंध बनाने पर काम कर रहा है।

जिस हाथ ने खिलाया, उसे ही काटा- रूस की सिक्योरिटी काउंसिल के उपाध्यक्ष मेदवेदेव ने भी इस पर बयान दिया है। टेलीग्राम पर पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखा, ओवल ऑफिस में जेलेंस्की की बुरी तरह पिटाई हुई।

वहीं, रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जखारोवा ने कहा, ये तो यूक्रेनी राष्ट्रपति बच गए कि ट्रंप और वेंस ने बहस के दौरान जेलेंस्की पर हमला नहीं कर दिया। हालांकि, चैनलों पर सबने सब देखा। जिस हाथ ने खिलाया, उसे को जेलेंस्की काट रहे थे।

पूर्व रूसी राष्ट्रपति ने कसा तंज- पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने ट्रंप के जवाब को जेलेंस्की पर एक जोरदार तमाचा बताया। उन्होंने कहा कि जेलेंस्की बड़ी हवा में थे, लेकिन ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने उनपर अमेरिका का अपमान करने का आरोप लगाया है।

अगर बम आपके सिर पर गिर जाए तो क्या होगा, जेलेंस्की के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में ऐसा क्यों बोले डोनाल्ड ट्रंप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ यूक्रेनी राष्ट्रपति की बैठक की चर्चा आज दुनिया भर में हो रही है। दरअसल, अमेरिका पहुंचे जेलेंस्की ने ट्रंप के साथ प्रेस वार्ता में तीखी बहस की। मुद्दा रूस से युद्ध को लेकर गर्माया था, जिसके बाद दोनों नेताओं में बहस छिड़ी। इसी दौरान एक सवाल के जवाब में ट्रंप का रिएक्शन काफी वायरल हो रहा है।

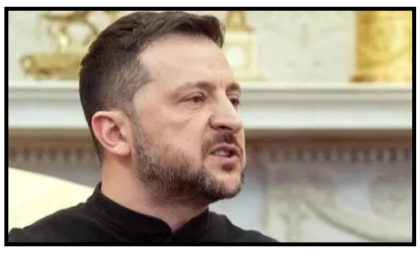

ओवल ऑफिस में बैठक में ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की को कड़ी फटकार लगाई। इसमें रूस के साथ शांति वार्ता में यूक्रेन की स्थिति पर सवाल उठाए गए। इस बीच जब एक रिपोर्टर ने रूस द्वारा युद्ध विराम तोड़ने की संभावना के बारे में पूछा, तो ट्रंप नाराज हो गए और उन्होंने तंज कसते हुए जवाब दिया।

ट्रंप ने रूस के ऐसे किसी भी कदम को खारिज करते हुए कहा,

क्या होगा अगर बम अभी आपके सिर पर गिर जाए? क्या होगा अगर उन्होंने युद्धविराम तोड़ दिया? मुझे नहीं पता, उन्होंने बाडन के साथ युद्धविराम क्यों तोड़ा और उन्होंने उनका सम्मान नहीं किया। उन्होंने ओबामा का सम्मान नहीं किया। लेकिन वे मेरा सम्मान करते हैं।

ट्रंप ने दावा किया कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बहुत कुछ सहा लेकिन उनके साथ कोई सौदा नहीं तोड़ा। ट्रंप ने कहा कि वो मेरा सम्मान करते हैं और वो युद्धविराम को मानेंगे।

खनिज सौदा किए बिना लौटे जेलेंस्की - वाशिंगटन में जेलेंस्की की यात्रा का उद्देश्य यूक्रेन के दुर्लभ पृथ्वी खनिजों तक अमेरिका की पहुंच प्रदान करने वाले सौदे को अंतिम रूप देना था।

फ्लाइट में लाश के साथ 14 घंटे खौफनाक सफर, बगल वाली सीट पर बैठने को मजबूर हुआ कपल; हैरान कर देगा एयरलाइन का कारनामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर फ्लाइट में आपको पता चले की बगल वाली सीट पर शव पड़ा है, आपको कैसा महसूस होगा। आप डर से कांप जाएंगे। ऐसा ही मंजर ऑस्ट्रेलिया से वेनिस जा रहे एक कपल के साथ देखने को मिला है। उनका हवाई सफर एक डरावनी यात्रा में बदला गया।

दरअसल, कतर एयरवेज की मेलबर्न से दोहा की उड़ान में सफर कर रहा कपल छुट्टी मनाने निकला था, तभी उसे ये सब झेलना पड़ा। अब एयरलाइन कंपनी इस पर सफाई दे रही है।

मृत महिला को कंबल में लपेटकर साथ में रखा- कपल ने ऑस्ट्रेलिया के चैनल नाइन को बताया कि मेलबर्न से दोहा की उड़ान के दौरान हुए अनुभव से वे सदमे में हैं। मिशेल रिंग और जेनिफर कॉलिन ने कहा कि केबिन क्रू ने 14 घंटे की उड़ान के आखिरी चार घंटों के लिए मृत महिला को कंबल में लपेटकर मिस्टर रिंग के बगल में रखा था।

रिंग ने बताया कि एयरलाइन ने उनसे कहा कि वे हट जाएं और फिर महिला को उस सीट पर बैठा दें जिस पर वे बैठे थे। उन्होंने कहा कि एक अन्य यात्री ने उनकी पत्नी को गलियारे में उनके बगल में बैठने के लिए आमंत्रित किया, हालांकि, उन्होंने कहा कि विमान के कर्मचारियों ने उन्हें कहीं और बैठने की बात नहीं की, भले ही आसपास खाली सीटें थीं।

कपल ने कहा, हम समझते हैं कि महिला की मौत के लिए एयरलाइन को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकते हैं, लेकिन निश्चित रूप से उसके बाद विमान में सवार ग्राहकों की देखभाल के लिए एक प्रोटोकॉल होना चाहिए।

वे वैज्ञानिक क्यों नहीं बन गए, सीएम योगी के उर्दू वाले बयान पर भड़के ओवैसी; कहा- उनके पूर्वजों में से किसी ने...

नई दिल्ली (एजेंसी)। एआईएमआईएम के चीफ असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ पर निशाना साधा है। ओवैसी ने सीएम योगी के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने उर्दू भाषा को लेकर अपनी बातों को रखा था।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर पलटवार करते हुए ओवैसी ने कहा कि यह साफ है कि यूपी के सीएम को उर्दू नहीं आती। लेकिन वे वैज्ञानिक क्यों नहीं बने, इसका जवाब तो वही दे सकते हैं।

ओवैसी ने क्या कहा- ओवैसी ने एक कार्यक्रम में कहा कि यह साफ है कि यूपी के सीएम को उर्दू नहीं आती, लेकिन वे वैज्ञानिक क्यों नहीं बने, इसका जवाब तो वही दे सकते हैं। यूपी के सीएम जिस विचारधारा से आते हैं, उस विचारधारा से किसी ने इस देश की आजादी की लड़ाई में हिस्सा नहीं लिया। सीएम योगी के पूर्वजों में से भी किसी ने आजादी की लड़ाई नहीं लड़ी वे गोरखपुर से आते हैं। रघुपति सहाय %फिराक% भी उसी गोरखपुर से आते हैं। वे उर्दू के मशहूर शायर थे, लेकिन वे मुसलमान नहीं थे। यह (टिप्पणी) उनकी बौद्धिक क्षमता है।

सुप्रीम कोर्ट ने जम्मू-कश्मीर के सिख नेता को बरी किए जाने पर लगी रोक हटाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 2021 में नेशनल कांफ्रेंस के नेता त्रिलोचन सिंह वजीर की हत्या के आरोपित जम्मू-कश्मीर के राजनेता सुदर्शन सिंह वजीर को बरी किए जाने पर लगी रोक हटा दी है।

पीठ ने कही ये बात- जस्टिस अभय एस ओका और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा बरी किए जाने पर लगी रोक बहुत कठोर है और यह आरोपित को दी गई स्वतंत्रता को कम या खत्म करने जैसी है।

पीठ ने कहा, %%इसलिए 21 अक्टूबर 2023 और 4 नवंबर 2024 को जारी विवादित आदेश को खारिज कर अलग रखा जाता है। हाई कोर्ट अब इस आदेश से प्रभावित हुए बिना पुनरीक्षण आवेदन पर निर्णय लेगा। पुनरीक्षण अदालत केवल दुर्लभ और असाधारण मामलों में ही बरी किए जाने के आदेश पर रोक लगा सकती है, जहां ऐसे आदेश प्रथम दृष्टया गलत हों।

वजीर को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था - वजीर को फरवरी 2023 में नेशनल कांफ्रेंस के पूर्व एमएलसी की हत्या के मामले में दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

हैदराबाद यूनिवर्सिटी में निर्माण कार्य के लिए बनाया गया अस्थायी ढांचा ढहा, 9 मजदूर घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हैदराबाद विश्वविद्यालय परिसर में एक बड़ी घटना घटी है, जहां पोर्टिको निर्माण के लिए बनाया गया ढांचा ढह गया। इस हादसे में 9 मजदूर घायल हो गए थे। इस घटना के बाद छात्र संघ ने शुक्रवार को प्रदर्शन भी किया था। यूनिवर्सिटी ने शुक्रवार को एक विज्ञप्ति जारी कर इस हादसे की जानकारी दी है। यह हादसा गुरुवार रात को विश्वविद्यालय परिसर में एक निर्माण स्थल पर हुई, जिसमें निर्माण कार्य में जुटे 9 श्रमिक घायल हो गए थे। घायल मजदूरों को अस्पताल से मिली छुट्टी - पुलिस ने जानकारी दी कि घायल मजदूरों को अस्पताल ले जाया गया था, जहां से उन्हें बाद में छुट्टी भी दे दी गई है। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार देवेश निगम ने बताया कि एनडीआरएफ की टीम की निगरानी में मलबा हटाया गया और पुष्टि की गई कि कोई श्रमिक नहीं फंसा है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्लयूडी) को सौंपा गया है। यूनिवर्सिटी के बयान के अनुसार, CPWD के अधिकारियों ने बताया कि पोर्टिको निर्माण कार्य के दौरान ढांचा ढह गया, जिससे यह दुर्घटना हुई है। रजिस्ट्रार ने घटना की जांच करने, निर्माणाधीन भवन का सुरक्षा ऑडिट करने और शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए 3 मार्च तक एक समिति गठित किए जाने की घोषणा की है।

मौसम ने मारी पलटी, दिल्ली में तेज बारिश और यूपी में गिरे ओले; पहाड़ों पर बर्फबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में करीब नौ बजे तेज बारिश ने मौसम बदल दिया और ठंड बढ़ गई, अभी भी दिल्ली के कई इलाकों में बारिश हो रही है। इसके साथ ही यूपी के अलीगढ़ और आगरा समेत कई जिलों में तेज बारिश के साथ ओले गिरे जिसकी वजह से ठंड बढ़ गई है।

पहाड़ों पर बर्फ का गिरना जारी- उत्तराखंड के पर्वतीय इलाकों में लगातार हो रही बर्फबारी के कारण कर्फ्यू जैसी स्थित हो गई है। बर्फबारी के चलते कई मार्ग बंद हो गए हैं। सड़कों पर कई किमी तक बर्फ ही बर्फ पसरी हुई है। जिससे जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। शनिवार को भी मौसम विभाग ने पूरे दिन भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की है।

मार्च से मई तक देश के बड़े हिस्से में प्रचंड गर्मी पड़ेगी- प्रशांत महासागर में ला-नीना की सक्रियता का असर दिखने लगा है। इस बार मौसम बहुत अव्यवस्थित है। आगे भी रह सकता है। सामान्य ठंड के बाद अब असामान्य गर्मी के लिए तैयार रहना होगा। मार्च से मई तक देश के बड़े हिस्से में प्रचंड गर्मी पड़ सकती है।

आइएमडी ने जारी किया अगले तीन महीने का मौसम पूर्वानुमान- भारत मौसम विभाग (आइएमडी) ने शुक्रवार को अगले तीन महीने का अनुमान जारी करते हुए कहा है कि गर्मी के मौसम में इस बार सामान्य से अधिक तापमान रह सकता है। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में दिन के समय हीट वेव (लू) भी चल सकती है।

साथ ही लू चलने के दिन पिछले कुछ वर्षों की तुलना में अधिक रह सकते हैं। तापमान में तीव्रता मार्च के दूसरे सप्ताह से शुरू हो सकती है। ऐसी स्थिति में रबी एवं गर्मा फसलों को नुकसान हो सकता है।आइएमडी ने मौसम में इस व्यापक बदलाव को ला-नीना का असर बताया है, जो प्रशांत महासागर के सतही जल के सामान्य से ज्यादा गर्म हो जाने के चलते बनता है और भारतीय महाद्वीप के मौसम को गहरे रूप से प्रभावित करता है।

बीजेपी के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष पर आया नया अपडेट, कब होगी यूपी के बीजेपी प्रेसिडेंट की नियुक्ति?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) मार्च में अपने नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव करेगी। बीजेपी अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव राज्य इकाइयों द्वारा अपने-अपने चुनाव संपन्न कराने के बाद होगा।

दरअसल, बीजेपी को अपना राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनने की प्रक्रिया को जनवरी में पूरा करना था, लेकिन दिल्ली विधानसभा चुनाव और कई राज्य इकाइयों में लंबित चुनावों के कारण नए अध्यक्ष के चयन में देरी हो रही है।

क्या कहता है बीजेपी का संविधान- जानकारी के अनुसार बीजेपी का संविधान कहता है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए कम से कम 50 प्रतिशत राज्य इकाइयों द्वारा अपने-अपने अध्यक्षों का चुनाव कर लिया जाना आवश्यक है। इसलिए, राज्य स्तर पर चुनाव प्रक्रिया में तेजी लाई जा रही है।

क्या होती है प्रक्रिया- बीजेपी में प्रदेश अध्यक्षों के साथ-साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए निर्वाचक मंडल के सदस्यों का भी चयन होता है। वर्तमान में 36 राज्यों में से सिर्फ 12 में ही चुनाव संपन्न हुए हैं। ऐसे में कम से कम छह और राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों के लिए चुनाव कराए जाने की जरूरत है।

एक हफ्ते में यूपी बीजेपी को मिलेगा नया प्रदेश अध्यक्ष- उधर, बीजेपी के सूत्रों ने बताया कि बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और हरियाणा जैसे प्रमुख राज्यों में अगले एक-दस दिन में प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव पूरे हो जाने की उम्मीद है। बिहार में मौजूदा अध्यक्ष के बने रहने की संभावना है। उसके बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा।

माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में जिला अध्यक्षों का चुनाव अगले तीन-चार दिनों में पूरा हो जाएगा, जिसके बाद उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष का चुनाव होगा। उम्मीद है कि एक सप्ताह या दस दिन के भीतर उत्तर प्रदेश को नया प्रदेश अध्यक्ष मिल जाएगा।

इस साल 20 हजार करोड़ रुपये तक जा सकती है साइबर धोखाधड़ी, डिजिटल इकोनमी के लिए बनी गंभीर खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की डिजिटल इकोनमी के लिए गंभीर खतरा बन चुकी साइबर धोखाधड़ी के कारण इस साल 20 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। आम लोगों पर तो इसका खतरा है ही, बैंकों और वित्तीय संस्थानों के लिए भी जोखिम कम नहीं है। यह राशि पिछले साल के सरकारी आंकड़ों के मुकाबले लगभग दो गुनी है।

साइबर खतरों के प्रति आगाह करने वाली एआइ कंपनी क्लाउडसेक ने पिछले साल के आंकड़ों और भावी रुझानों का अध्ययन करने के बाद अनुमान लगाया है कि इस साल नौ हजार करोड़ रुपये केवल ब्रांड एब्यूज यानी नामी-गिरामी ब्रांड से मिलते-जुलते नामों के जरिये होने वाली धोखाधड़ी के भेंट चढ़ सकते हैं।

साइबर अपराध के सभी मामलों में ब्रांड एब्यूज की हिस्सेदारी एक तिहाई- रिपोर्ट में कहा गया है कि साइबर अपराध के सभी मामलों में ब्रांड एब्यूज की हिस्सेदारी एक तिहाई है। इसका सीधा मतलब है कि लोग जागरूकता और सतर्कता के अभाव में ब्रांड को लेकर धोखा खा जाते हैं। धोखाधड़ी करने वाले लोग मामली और हल्के हेर-फेर के साथ डोमेन बना लेते हैं और लोग उनके जाल में फंस जाते हैं, क्योंकि उन्हें बड़े ब्रांड पर भरोसा होता है। बड़ी धनराशि वाली धोखाधड़ी में 70 प्रतिशत का संबंध इसी ब्रांड एब्यूज से है।

2025 में साइबर क्राइम की शिकायतें 25 लाख से अधिक- क्लाउडसेक के शोधकर्ता पवन कार्तिक एम. का कहना है कि यह पूरे देश के लिए आंखें खोल देने वाला खतरा है। इसके प्रति सभी को सतर्क हो जाना चाहिए। रिपोर्ट के अनुसार 2025 में साइबर क्राइम की शिकायतें 25 लाख से अधिक हो सकती हैं। इनमें से पांच लाख खास तौर पर ब्रांड के नाम पर होने वाली धोखाधड़ी से संबंधित होंगी। फ्राड करने वाली वेबसाइटें, फिशिंग का बढ़ता दायरा और संदिग्ध एप्लीकेशनों के कारण खतरा हर दिन गहराता जा रहा है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल तृतीया

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

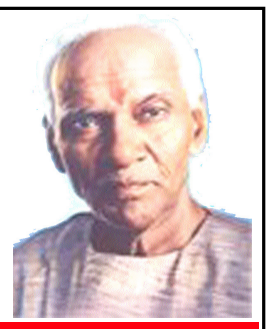

संपादकीय

स्कूली शिक्षा में तीन भाषा के फार्मूले पर चल रही पंक्ति....

स्कूली शिक्षा में तीन भाषा के फार्मूले पर चल रही पंक्ति - राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में एम्बेडेड एक नीति - ने एक बार फिर भावुक बहस को प्रज्वलित किया है। हाल ही में, मुख्यमंत्री के नेतृत्व में तमिलनाडु के राजनीतिक नेतृत्व ने राज्य में हिंदी को लागू करने के रूप में माना जाता है, इसके लिए केंद्र की तीखी आलोचना की है। हालांकि, यह संघर्ष अलग-थलग नहीं है; यह कर्नाटक, तेलंगाना और पंजाब जैसे राज्यों में प्रतिध्वनित होता है, प्रत्येक भाषा युद्ध में अपना अध्याय जोड़ता है। वर्तमान हंगामे की जड़ें भारत में भाषा थोपने पर लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक संघर्ष में हैं। तमिलनाडु में, अतीत के हिंदी विरोधी आंदोलनों की यादें अभी भी गूंज रही हैं, क्योंकि राज्य की सत्तारूढ़ डीएमके अपनी भाषाई पहचान को कमजोर करने के लिए एक सूक्ष्म प्रयास के रूप में तीन-भाषा सूत्र पर जोर देने को मानती है। आलोचकों का तर्क है कि अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषा के साथ हिंदी को प्राथमिकता देकर, नीति अनजाने में स्थानीय भाषाओं को दरकिनार कर देती है - एक चिंता जो समृद्ध भाषाई विरासत के साथ दक्षिणी राज्यों में गहराई से गूंजती है।

जबकि कुछ लोग हिंदी को एक एकीकृत बल के रूप में देखते हैं, कई लोग इसके प्रचार को क्षेत्रीय संस्कृतियों और पहचान के लिए खतरे के रूप में देखते हैं। संघर्ष एक व्यापक पैटर्न का प्रतीक है जहां राज्य कथित केंद्रीय आउटरीच के खिलाफ अपनी भाषाई पहचान का दावा करने के लिए मजबूर महसूस करते हैं। तमिलनाडु में स्टालिन और अन्य नेताओं का तर्क है कि एनईपी की भाषा नीति को लागू करना तमिल की प्रधानता को खत्म करने का एक पतला घूंघट प्रयास है। इसी तरह की भावनाओं को कहीं और गूंज दिया गया है- तेलंगाना राज्य सरकार ने हाल ही में सभी स्कूलों में तेलुगु को अनिवार्य किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि छात्र अपनी मातृभाषा सीखें । ऐसा करने में, तेलंगाना न केवल अपनी भाषाई विरासत को संरक्षित कर रहा है, बल्कि आसान समझ के लिए पाठ्यक्रम को सरल बना रहा है। पंजाब के उत्तरी राज्य में भी 2025-26 के शैक्षणिक सत्र के लिए सीबीएसई स्कूलों में क्षेत्रीय भाषा पाठ्यक्रम से पंजाबी को हटाने से पंजाबियों में आक्रोश फैल गया है। पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल जैसे राजनीतिक आंकड़ों ने इसे हमारी मातृभाषा पर हमला बताया है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर देकर इन तनावों को शांत करने का प्रयास किया है कि भाजपा हर भारतीय भाषा का सम्मान करे और प्रत्येक भाषा भारतीय संस्कृति की आत्मा को दर्शाती है। वह कहता है कि सभी भाषाई परंपराओं को समृद्ध करना और गले लगाना हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। फिर भी, राय गहराई से विभाजित रहती है। हिंदी अधिरोपण पंक्ति एक नीतिगत विवाद से अधिक है - यह भारत में गहरे बैठे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक धाराओं का प्रतिबिंब है। कथित भाषाई आधिपत्य के लिए एमके स्टालिन के मजबूत प्रतिरोध को उनके राज्य में व्यापक रूप से साझा किया गया है। भाषा एक भावनात्मक मुद्दा है और अगर ठीक से संभाला नहीं जाता है तो एक बड़े संकट में स्नोबॉल हो सकता है। सबसे अच्छा समाधान एक संतुलित, लचीले दृष्टिकोण में निहित है जो भारत की भाषाई विविधता का सम्मान करता है। केवल सम्मानजनक संवाद, अनुरूप नीतियों और विविधता के उत्सव के माध्यम से भारत इस जटिल भाषाई परिदृश्य को नेविगेट कर सकता है और वास्तव में समावेशी राष्ट्र की ओर बढ़ सकता है।

सरोजिनी नायडू

सरोजिनी नायडू सुप्रसिद्ध कवयित्री और भारत देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय नेताओं में से एक थीं। वह भारत के स्वाधीनता संग्राम में सदैव आगे रहीं। उनके संगी साथी उनसे शक्ति, साहस और ऊर्जा पाते थे। युवा शक्ति को उनसे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती थी। बचपन से ही कुशाग्र-बुद्धि होने के कारण उन्होंने 13 वर्ष की आयु में लेडी ऑफ़ दी लेक नामक कविता रची।

वे 1895 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड गईं और पढ़ाई के साथ-साथ कविताएँ भी लिखती रहीं। गोल्डन थ्रैशोल्ड उनका पहला कविता संग्रह था। उनके दूसरे तथा तीसरे कविता संग्रह बर्ड ऑफ टाइम तथा ब्रोकन विंग ने उन्हें एक सुप्रसिद्ध कवयित्री बना दिया।

जीवन परिचय- सरोजिनी नायडू का जन्म 13 फ़रवरी, सन् 1879 को हैदराबाद में हुआ था। अघोरनाथ चट्टोपाध्याय और वरदा सुन्दरी की आठ संतानों में वह सबसे बड़ी थीं। अघोरनाथ एक वैज्ञानिक और शिक्षाशास्त्री थे। वह कविता भी लिखते थे। माता वरदा सुन्दरी भी कविता लिखती थीं। अपने कवि भाई हरीन्द्रनाथ चट्टोपाध्याय की तरह सरोजिनी को भी अपने माता-पिता से कविता - सृजन की प्रतिभा प्राप्त हुई थी। अघोरनाथ चट्टोपाध्याय निज़ाम कॉलेज के संस्थापक और रसायन वैज्ञानिक थे। वे चाहते थे कि उनकी पुत्री सरोजिनी अंग्रेज़ी और गणित में निपुण हों।

साहित्यिक परिचय - सरोजिनी नायडू अपनी शिक्षा के दौरान इंग्लैंड में दो साल तक ही रहीं किंतु वहाँ के प्रतिष्ठित साहित्यकारों और मित्रों ने उनकी बहुत प्रशंसा की। उनके मित्र और प्रशंसकों में एडमंड गॉस और आर्थर सिमन्स भी थे। उन्होंने किशोर सरोजिनी को अपनी कविताओं में गम्भीरता लाने की राय दी। वह लगभग बीस वर्ष तक कविताएँ और लेखन कार्य करती रहीं और इस समय में, उनके तीन कविता-संग्रह प्रकाशित हुए। उनके कविता संग्रह बर्ड ऑफ़ टाइम और ब्रोकन विंग ने उन्हें एक प्रसिद्ध कवयित्री बनवा दिया। सरोजिनी नायडू को भारतीय और अंग्रेज़ी साहित्य जगत की स्थापित कवयित्री माना जाने लगा था किंतु वह स्वयं को कवि नहीं मानती थीं।

राजनीतिक जीवन - देश की राजनीति में क़दम रखने से पहले सरोजिनी नायडू दक्षिण अफ़्रीका में गांधी जी के साथ काम कर चुकी थी। गांधी जी वहाँ की जातीय सरकार के विरुद्ध संघर्ष कर रहे थे और सरोजिनी नायडू ने स्वयंसेवक के रूप में उन्हें सहयोग दिया था। भारत लौटने के बाद तुरन्त ही वह राष्ट्रीय आंदोलन में सम्मिलित हो गई। शुरू से ही वह गांधी जी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रति वफ़ादार रहीं। उन्होंने विद्यार्थी और युवाओं की सभाओं में भाषण दिए। अनेक शहरों और गाँवों में महिलाओं और आम सभाओं को सम्बोधित किया। सरोजिनी नायडू का स्वास्थ्य कभी अच्छा नहीं रहा। लेकिन उनका मनोबल दृढ़ था। युवावस्था में नहीं, बल्कि बड़ी उम्र होने पर भी वह जोश और उत्साह के साथ काम करती रहीं। यह देखकर सब विस्मित रह जाते थे। उनके साथियों और प्रशंसकों को हैरानी होती थी कि इतनी अजेय शक्ति उन्होंने कहाँ से पाई है।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान- वास्तव में सन् 1930 के प्रसिद्ध नमक सत्याग्रह में सरोजिनी नायडू गांधी जी के साथ चलने वाले स्वयंसेवकों में से एक थीं। गांधी जी की गिरफ्तारी के बाद गुजरात में धरासणा में लवण-पटल की पिकेटिंग करते हुए जब तक स्वयं गिरफ्तार न हो गईं तब तक वह आंदोलन का संचालन करती रहीं। धरासणा वह स्थान था जहाँ पुलिस ने शान्तिमय और अहिंसक सत्याग्रहियों पर घोर अत्याचार किए थे। सरोजिनी नायडू ने उस परिस्थिति का बड़े साहस के साथ सामना किया और अपने बेजोड़ विनोदी स्वभाव से वातावरण को सजीव बनाये रखा। नमक सत्याग्रह खत्म कर दिया गया। गांधी-इरविन समझौते पर गांधी जी और भारत के वाइसराय लॉर्ड इरविन ने हस्ताक्षर किये। यह एक राजनीतिक समझौता था। बाद में गांधी जी को सन् 1931 में लंदन में होने वाले दूसरे गोलमेज सम्मेलन में आने के लिए आमंत्रित किया गया। उसमें भारत की स्व-शासन की माँग को ध्यान में रखते हुए संवैधानिक सुधारों पर चर्चा होने वाली थी। उस समय गांधी जी के साथ, सम्मेलन में शामिल होने वाले अनेक लोगों में से सरोजिनी नायडू भी एक थीं। सन् 1935 के भारत सरकार के एक्ट ने भारत को कुछ संवैधानिक अधिकार प्रदान किए। लम्बी बहस के बाद, कांग्रेस, देश की प्रांतीय विधानसभाओं में प्रवेश करने के लिए तैयार हो गयी। उसने चुनाच लड़े और देश के अधिकतर प्रांतों में अपनी सरकारें बनाई जिन्हें अंतरिम सरकारों का नाम दिया गया।

निर्भीक व्यक्तित्व - सरोजिनी नायडू ने भय कभी नहीं जाना था और न ही निराशा कभी उनके समीप आई थी। वह साहस और निर्भीकता का प्रतीक थीं। पंजाब में सन् 1919 में जलियांवाला बाग में हुए हत्याकांड के बारे में कौन नहीं जानता होगा। आम सभाओं पर जनरल डायर के द्वारा लगाय गए प्रतिबंध के विरोध में जमा हुए सैकड़ों नर-नारियों की निर्दयता से हत्या कर दी गई थी। वैसे भी रॉलेट एक्ट के पारित होने से देश में पहले से ही काफ़ी तनाव था। इस एक्ट ने न्यायाधीश को राजनीतिक मुक़दमों को बिना किसी पैरवी के फैसला करने और बिना किसी क़ानूनी कार्रवाई के संदिग्ध राजनीतिज्ञों को जेल में डालने की छूट दे दी थी। जलियांवाला हत्याकांड को लेकर समस्त देश में क्रोध भड़क उठा। उस पाशविक अत्याचार की गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर के मन में उग्र प्रतिक्रिया हुई और उन्होंने अपनी नाइट हुड की पदवी लौटा दी। सरोजिनी नायडू ने भी अपना कैसर-ए-हिन्द का ख़िताब वापस कर दिया जो उन्हें सामाजिक सेवाओं के लिय कुछ समय पहले ही दिया गया था।

अहमदाबाद में गांधी जी के साबरमती आश्रम में स्वाधीनता की प्रतिज्ञा पर हस्ताक्षर करने वाले आरम्भिक स्वयं सेवकों में वह एक थीं। गांधीजी शुरू में यह नहीं चाहते थे कि महिलाएँ सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लें। उनकी प्रवृत्तियों को गांधी जी कताई, स्वदेशी, शराब की दुकानों पर धरना आदि तक सीमित रखना चाहते थे। लेकिन सरोजिनी नायडू, कमला देवी चट्टोपाध्याय और उस समय की देश की प्रमुख महिलाओं के आग्रह को देखते हुए उन्हें अपनी राय बदल देनी पड़ी।

स्मृति में डाक टिकट- 13 फ़रवरी, 1964 को भारत सरकार ने उनकी जयंती के अवसर पर उनके सम्मान में 15 नए पैसे का डाक टिकट भी चलाया। इस महान् देशभक्त को देश ने बहुत सम्मान दिया। सरोजिनी नायडू को विशेषत- भारत कोकिला, राष्ट्रीय नेता और नारी मुक्ति आन्दोलन की समर्थक के रूप में सदैव याद किया जाता रहेगा।

मृत्यु - सरोजिनी नायडू की जब 2 मार्च सन् 1949 को मृत्यु हुई तो उस समय वह राज्यपाल के पद पर ही थीं। लेकिन उस दिन मृत्यु तो केवल देह की हुई थी। अपनी एक कविता में उन्होंने मृत्यु को कुछ देर के लिए ठहर जाने को कहा था.....

मेरे जीवन की क्षुधा, नहीं मिटेगी जब तक

मत आना हे मृत्यु, कभी तुम मुझ तक।

उनका जीवन लाभदायक और परिपूर्ण था। उस जीवन से उन्हें आत्मसंतुष्टि प्राप्त हुई थी या नहीं यह तो कोई नहीं बता सकता लेकिन जितना उनके जीवन के बारे में जानते हैं उससे इतना तो ज़रूर कहा जा सकता है कि उन्होंने अपने जीवन को एक उद्देश्य दिया था और उसी के अनुरूप वह जीती रही थीं।

ऐसा जीवन बहुत लोगों को नसीब नहीं होता। गीत के विषाद से जीवन का विषाद मिटा देने के लिए वह प्रयास करती रहीं। उसी तरह उन्होंने जीवन बिताया। आने वाली पीढ़ियाँ इसी रूप में उन्हें याद करती रहेंगी। उन्हें याद रखने का यही एक ढंग है- सरोजिनी नायडू जो प्रेम और गीत के लिए जीती रहीं। जैसा गांधी जी ने कहा था, सच्चे अर्थों में वह भारत कोकिला थीं।

अब PF पर सबसे ज्यादा ब्याज, नौकरी में 2 महीने का गैप तो रेगुलर माना जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्मचारी भविष्य निधि की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया है। ईपीएफ जमा पर मिलने वाले ब्याज दर में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी ईपीएफओ के अंशदाताओं को 8.25 फीसदी ब्याज मिलता रहेगा।

शुक्रवार को केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया की अध्यक्षता में सेंट्रल बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज की बैठक में ईपीएफ जमा पर 8.25त्न वार्षिक ब्याज दर जमा करने की सिफारिश की गई। अब केंद्र सरकार की अधिसूचना के बाद ईपीएफओ अंशदाताओं के खातों में ब्याज दर जमा जमा कराया जाएगा।

पीएफ पर अब सबसे ज्यादा ब्याज- बैठक से पहले आशंका जताई जा रही थी कि शायद इस बार ब्याज दरों में कटौती हो सकती है। मगर ऐसा नहीं हुआ। पिछले साल भी पीएफ पर 8.25 फीसदी ब्याज मिला था। मौजूदा समय में अन्य बचत स्कीमों की तुलना में पीएफ पर सबसे अधिक ब्याज मिल रहा है। सरकार ने 2022 में पीएफ पर ब्याज दर को 8.5 से घटाकर 8.1 फीसदी कर दिया था। मगर 2024 में ब्याज दर को 8.25 फीसदी किया था।

सुकन्या समृद्धि योजना से भी अधिक ब्याज- मौजूदा समय में पब्लिक प्रोविडेंट फंड पर 7.1 फीसदी ब्याज मिल रहा है। अगर पोस्ट ऑफिस में 5 साल तक के लिए धनराशि जमा की जाती है तो 7.5 फीसदी ब्याज मिलेगा। किसान विकास पत्र पर भी इतना ही ब्याज है। तीन साल तक के टर्म डिपोजिट पर ब्याज की दर 7.1 फीसदी है। सीनियर सिटीजन सेविंग स्कीम और सुकन्या समृद्धि योजना पर 8.2 फीसदी ब्याज मिलता है। नेशनल सेविंग सर्टिफिकेट पर 7.7 फीसदी ब्याज है। वही पोस्ट ऑफिस सेविंग पर महज 4 फीसदी सलाना ब्याज का लाभ मिल रहा है। इस लिहाज से पीएफ पर मिल रहा ब्याज सबसे ज्यादा है।

नौकरी बदलने में दो महीने तक का गैप तो भी मिलेगा EDLI का लाभ- सीबीटी की बैठक में कर्मचारी जमा लिंक्ड बीमा में कई अहम संशोधन किए गए हैं। अगर किसी ईपीएफ सदस्य की मौत एक साल की नियमित सेवा से पहले हो जाती है तो नॉमिनी को 50 हजार रुपये के जीवन बीमा का लाभ मिलेगा।

15 पर आया मुकेश अंबानी का यह शेयर, बाजार में भगदड़ के बीच बेचने की होड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। बीते शुक्रवार को शेयर बाजार में मचे हाहाकार का असर मुकेश अंबानी की कंपनियों पर भी पड़ा है। सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन आलम ये रहा कि अंबानी की टेक्सटाइल कंपनी- आलोक इंडस्ट्रीज के शेयर 52 हफ्ते के निचले स्तर पर आ गए। ट्रेडिंग के दौरान यह शेयर 3 फीसदी से ज्यादा टूटकर 15.24 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो भी है। ट्रेडिंग के अंत में शेयर 15.37 रुपये पर बंद हुआ। यह एक दिन पहले की क्लोजिंग प्राइस 15.83 रुपये के मुकाबले 2.91त्न गिरावट को दिखाता है।

टेक्सटाइल कंपनी- आलोक इंडस्ट्रीज ने 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त तिमाही में 273 करोड़ का बड़ा घाटा दर्ज किया, जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 229.92 करोड़ का घाटा हुआ था। परिचालन से कंपनी का राजस्व इसी तिमाही में 1,253.03 करोड़ से 31.06 प्रतिशत घटकर 863.86 करोड़ हो गया। 31 दिसंबर, 2024 को समाप्त नौ महीनों में घाटा ?630.89 करोड़ से बढ़कर 741.96 करोड़ हो गया, जबकि राजस्व साल-दर-साल 4,040.28 करोड़ से 31.8 प्रतिशत गिरकर 2,755.82 करोड़ हो गया। बता दें कि वित्त वर्ष 25 की तीसरी तिमाही में कंपनी का कुल खर्च 23.15 प्रतिशत घटकर 1,138.52 करोड़ हो गया।

महंगाई का झटका! देशभर में एलपीजी सिलेंडर के बढ़े दाम, अब कितने में मिलेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेल कंपनियों ने 1 मार्च 2025 से 19 किलो वाले कमर्शियल एलीजी सिलेंडर के दामों में बढ़ोतरी की है। दिल्ली से लेकर कोलकाता तक कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दामों में 6 रुपये बढ़ाए गए हैं।

हालांकि, कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के पिछले पांच सालों के प्राइस ट्रेंड पर नजर डालें, तो मार्च 2025 में सबसे कम बढ़ोतरी की गई है।

इंडियन ऑयल की ओर से जारी नए रेट के अनुसार, दिल्ली में 1 मार्च 2025 से 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दम 1803 रुपये हो गए हैं, जो फरवरी में 1797 रुपये में मिलता था। जनवरी में इसकी किमत 1084 रुपये थी।

कोलकाता और मुंबई में क्या है दाम- कोलकाता में कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम अब 1913 रुपये हो गए हैं। फरवीर में 1911 रुपये से घटकर 1907 रुपये हो इसके दाम हो गए थे। महानगरी मुंबई में अब यह सिलेंडर 1755.50 रुपये में मिलेंगे। फरवरी में 1749.50 रुपये थे और जनवरी में इसकी कीमत 1756 रुपये थी।

घरेलू एलपीजी सिलेंडर की क्या है कीमत- बता दें, घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दामों में कोई बढ़ोतरी नहीं की गई है। दिल्ली में 14 किलो वाला एलपीजी सिलेंडर 1 अगस्त के रेट से ही उपभोक्ताओं को दिया जाएगा। 1 मार्च 2025 को भी इसकी कीमत 803 रुपये ही है। कोलकाता में 829 रुपये और मुंबई में 802.50 रुपये है।

फरवरी में कम हुई थी कीमत- 1 जनवरी 2025 को ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 7 रुपये तक की कटौती की थी। उस वक्त भी घरेली सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया था। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने फरवरी में भी कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम घटाए थे।

शेयर बाजार में कोहराम, आर्थिक मंदी और महंगाई का भी खतरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहले से ही मंदी के थपेड़े झेल रहा देश का शेयर बाजार राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से कनाडा, मैक्सिको, चीन समेत कई देशों के आयात पर पारस्परिक कर लगाने की संभावनाओं के मजबूत होते ही 28 फरवरी (शुक्रवार) को जबरदस्त मंदी के साथ बंद हुआ। मुंबई शेयर बाजार और निफ्टी का सूचकांक लगभग दो फीसद गिरावट के साथ बंद हुआ, जो पिछले 52 महीनों के इनके उच्चतम सूचकांकों से 15 फीसद कम है। सेंसेक्स 1414 अंकों की गिरावट के साथ 73,198 अंकों पर और एनएनई निफ्टी 420 अंकों की गिरावट के साथ 22,125 अंकों पर बंद हुआ। बाजार की गिरावट में भारत की आर्थिक विकास दर को लेकर बनी अनिश्चितता और अमेरिका के विकास दर की उम्मीदों से कम होने का असर भी बताया जा रहा है।शेयर बाजार की मौजूदा गिरावटों के दौर के लिए विदेशी संस्थागत निवेशकों की भारत से पैसे निकालने को दिया जा रहा है। इसका असर शुक्रवार को मुद्रा बाजार पर कुछ ज्यादा ही दिखा।

महाकुंभ से अर्थव्यवस्था को मिली रफ्तार, मार्च के अंत तक चार ट्रिलियन डॉलर की हो जाएगी देश की इकोनॉमी

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमाम वैश्विक चुनौतियों के बावजूद घरेलू मांग की मजबूती से दुनिया में सबसे तेज गति से विकास करने का सिलसिला कायम है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) में भारत के जीडीपी की विकास दर 6.2 प्रतिशत दर्ज की गई जो चीन, अमेरिका, इंडोनेशिया, ब्राजील जैसे तमाम विकसित व विकासशील देशों की तुलना में अधिक है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक संकेत यह है कि महाकुंभ के भव्य आयोजन, सार्वजनिक कंपनियों के पूंजीगत खर्च में बढ़ोतरी और गैर पेट्रोलियम व गैर जेम्स व ज्वैलरी निर्यात में बढ़ोतरी से चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) में विकास दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने की संभावना

चौथी तिमाही में जीडीपी के अच्छे प्रदर्शन से चालू वित्त वर्ष में जीडीपी विकास दर 6.5 प्रतिशत रहने का उम्मीद जताई गई है। इस विकास दर को हासिल करने से इस साल मार्च अंत में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार वर्तमान मूल्य पर चार ट्रिलियन डॉलर के पास पहुंच जाएगा। मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने बताया कि प्रयागराज में महाकुंभ के भव्य आयोजन से ट्रांसपोर्ट, फूड, होटल जैसे कई उद्योगों को बल मिला है।

50-60 करोड़ लोग महाकुंभ में शामिल हुए जिससे खर्च में बढ़ोतरी हुई और उसका प्रभावशाली असर चौथी तिमाही के जीडीपी में दिखेगा। उन्होंने कहा कि पहली और दूसरी तिमाही के दौरान सार्वजनिक खर्च में चुनाव की वजह से कमी रही लेकिन अब इसमें काफी तेजी आई है और इस साल जनवरी तक पूंजीगत व्यय अनुमान का 75 प्रतिशत खर्च हो चुका है। इसके अलावा गैर पेट्रोलियम एवं गैर जेम्स व ज्वैलरी सेक्टर के निर्यात में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

इस 39 रुपये के स्टॉक ने निवेशकों को बनाया करोड़पति, लगाई लम्बी छलांग, जानें अब का भाव

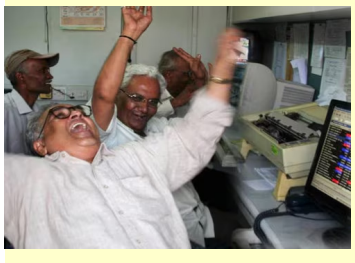

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में एक कहावत सबसे ज्यादा प्रचलित है। यहां अच्छे स्टॉक में निवेश करके हाई रिटर्न के लिए इंतजार करना पड़ता है। सोलर इंडस्ट्रीज के शेयरों के साथ ऐसा ही कुछ देखने को मिला है। इस मिड कैप कंपनी के शेयरों का भाव एक समय पर 39.40 रुपये के लेवल पर था। आज यह 8774 रुपये के लेवल पर पहुंच गया। बीते 16 सालों के अंदर कंपनी के शेयरों ने पोजीशनल निवेशकों को मालामाल बना दिया है।

2025 कंपनी के लिए शेयर बाजार में चुनौतियों भरा रहा है। इस दौरान कंपनी के शेयरों की कीमतों में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है। वहीं, 6 महीने में स्टॉक का भाव 11068 रुपये से 8774 रुपये के लेवल पर आ गया। यानी करीब 20 प्रतिशत कंपनी के शेयर गिर चुके हैं। हालांकि, इस गिरावट के बाद भी कंपनी के शेयरों ने पोजीशनल निवेशकों को 25 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न पिछले एक साल में दिया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

छतरपुर में ट्रैक्टर-थ्रेसर पलटने से लगी आग, दो युवक जिंदा जले

छतरपुर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले के बकस्वाहा थाना क्षेत्र की बम्होरी चौकी के सेडारा और गुगवारा ग्राम के बीच ट्रैक्टर-थ्रेसर पलटने से आग लग गई। इसमें दो लोग जिंदा जल गए। दुर्घटना शनिवार की शाम चार बजे तब हुई, जब दो युवक ट्रैक्टर-थ्रेसर लेकर बम्होरी से माऊटा अपने घर लौट रहे थे।

ट्रैक्टर के पलटने से लगी आग

पुलिस के अनुसार, बम्होरी चौकी क्षेत्र के अशोक यादव पुत्र अनंदी यादव (22 वर्ष) और मोहित गौड़ पुत्र करीं गौड़ (19 वर्ष) ट्रैक्टर-थ्रेसर लेकर अपने घर जा रहे थे। सेडारा और गुगवारा के बीच अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर पलट गया। इस हादसे में ट्रैक्टर के साथ थ्रेसर भी पलट गया और सड़क पर घिसटने के कारण ट्रैक्टर में आग लग गई।

ट्रैक्टर में फंसे युवक जिंदा जले

आग इतनी भीषण थी कि दोनों युवक ट्रैक्टर में फंसे रह गए और आग की चपेट में आकर दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। जब तक आसपास के लोग कुछ समझ पाते, तब तक आग इतनी तेजी से फैल चुकी थी कि दोनों को बचा पाना संभव नहीं हो सका।

डेढ़ घंटे बाद पहुंची दमकल

वहीं घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दमकल को बुलाया, लेकिन डेढ़ घंटे देरी से दमकल पहुंची। शाम चार बजे से भड़की आग पर शाम 7:30 बजे तक भी काबू नहीं पाया जा सका था। वहीं ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय से दमकल आ जाती तो शायद इतने बड़े हादसे से बचा जा सकता था।

मप्र सरकार का अहम फैसला, एनपीएस में मिसिंग क्रेडिट राशि अभिदाता के खाते में होंगी जमा

भोपाल। सरकार ने मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाताओं के खातों में जमा करने का निर्णय लिया है। अब अंशदायी पेंशन योजना (एनपीएस) में मिसिंग क्रेडिट की राशि अभिदाता के खातों में जमा की जाएगी। अभिदाताओं के खातों में मिसिंग क्रेडिट की राशि जमा करने के लिए 15 मार्च तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने शनिवार को इस संबंध में विभागीय स्तर पर निर्देश दिए हैं।राज्य शासन के अधीन सिविल सेवा के पदों पर एक जनवरी 2005 को या उसके बाद नियुक्त होने वाले शासकीय सेवकों पर अंशदायी पेंशन योजना (एनपीएस) लागू है।

इसमें शासकीय सेवकों के वेतन से कर्मचारी अंशदान एवं शासकीय अंशदान संबंधित के परमानेंट रिटायरमेंट अकाउंट नंबर (प्रान) में जमा किया जाता है। ऐसे शासकीय कर्मचारी, जो प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ हैं और उनके अंशदान उनके प्रान में जमा नहीं हुए हैं, ऐसे प्रकरणों में मिसिंग क्रेडिट (गुमशुदा कटौत्री) की समस्या होती है।

गुमशुदा कटौत्री की समस्या के समाधान के लिए संचालनालय कोष एवं लेखा द्वारा आइएफएमआइएस में सुविधा विकसित की गई है।वल्लभ भवन के वरिष्ठ कोषालय अधिकारी राजीव सिंह पवैया ने बताया कि वल्लभ कोषालय द्वारा प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शासकीय सेवक जिनके द्वारा चालान भारतीय स्टेट बैंक की टीटी नगर, जहांगीराबाद, एमपी नगर, पंचानन एवं बरखेड़ी की शाखाओं में जमा किए जाएंगे, उनके चालान का सत्यापन वल्लभ भवन कोषालय सतपुड़ा भवन द्वारा किया जाएगा।

साथ ही प्रतिनियुक्ति पर पदस्थ शासकीय सेवकों द्वारा चालान स्टेट बैंक शाखा विंध्याचल, शिवाजी नगर, एचईटी एसएमई गोविंदपुरा, महावीर नगर, हबीबगंज शाखा में जमा किए गए हैं, वह शासकीय सेवक विंध्याचल भवन स्थित कोषालय में उपस्थित होकर चालान का सत्यापन करा सकते हैं।

मप्र सरकार की पहल- रिश्वतखोरों को पकड़वाने के बाद नहीं फंसेगी शिकायतकर्ता की राशि, विशेष फंड से लौटाई जाएगी

भोपाल। रिश्वतखोरों को फंसाने के बाद वर्षों तक के लिए उलझी रहने वाली घूस की राशि अब शिकायतकर्ता को कोर्ट में अभियोजन कार्रवाई शुरू होते ही मिल जाएगी। इसके लिए सरकार अगले माह यानी अप्रैल से विशेष फंड शुरू करने जा रही है। शासन से इसके लिए सैद्धांतिक सहमति मिलने के बाद सामान्य प्रशासन विभाग लगभग 40 लाख रुपये का विशेष कोष बना रहा है। इससे शिकायतकर्ताओं को राशि लौटाई जाएगी।उधर, कोर्ट से मामले का निपटारा होने पर कोष से शिकायतकर्ता को लौटाई गई राशि फिर उसी खजाने में पहुंचने से संतुलन बना रहेगा। इससे कोष में राशि की कमी नहीं आएगी।

भ्रष्टाचारियों को रंगे हाथ पकड़वाने वाले शिकायतकर्ताओं के लगभग तीन करोड़ रुपये फंसे हुए हैं। कई बार रिश्वत की राशि पांच लाख रुपये तक होती है।

अभी न्यायालय से प्रकरण का निपटारा होने पर राशि लौटाई जाती है। इसमें 10 से 15 वर्ष भी लग जाते हैं।

तब तक इस राशि का मूल्य तीन गुना हो चुका होता है, पर शिकायतकर्ता को मूल राशि ही मिलती है।

ऐसे में कई बार शिकायतकर्ता भ्रष्टाचारी को फंसाना तो चाहता है पर जिसकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है और ट्रैप की राशि लाखों में होती है तो वह कदम पीछे खींच लेता है।

पिछले तीन वर्ष में प्रदेश में लोकायुक्त पुलिस द्वारा किए गए ट्रैप

वर्ष -- मामले
2022 -- 257
2023 -- 180
2024 -- 197

ईओडब्ल्यू में यह व्यवस्था लागू करने की तैयारी लोकायुक्त पुलिस के बाद आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ईओडब्ल्यू) भी यही व्यवस्था लागू करने की तैयारी है।

जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्ध 200 कॉलेजों की मुश्किलें बढ़ीं

ग्वालियर।जीवाजी विश्वविद्यालय (जेयू) से संबद्धता प्राप्त कॉलेजों की मुश्किलें अब बढ़ गई हैं। झुंडपुरा कॉलेज के मामले में जेयू में लागू हुई धारा 52 और कुलगुरु को बर्खास्त किए जाने का प्रभाव हाई कोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ में चल रही जनहित याचिका में देखने को मिला।

जेयू से संबद्ध कॉलेज की अनियमितता

शुक्रवार को हाई कोर्ट में हुई कॉलेजों में अनियमितता को लेकर याचिका की सुनवाई में हाई कोर्ट ने ईओडब्ल्यू को जेयू से संबद्धता प्राप्त सभी कॉलेज की अनियमितताओं के संबंध में जांच करने और आरोपितों के खिलाफ न्यायालय में यथाशीघ्र आरोप पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।मामले की सुनवाई में जीवाजी विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया कि झुंडपुरा कॉलेज के संबंध में ईओडब्ल्यू द्वारा एफआइआर दर्ज कर ली गई है और शासन द्वारा आरोपित कुलगुरु को हटाकर नए कुलगुरु की नियुक्ति भी कर दी गई है।

फर्जी डिग्रियां बांट रहे कॉलेज-इस पर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता अवधेश सिंह भदौरिया ने हाई कोर्ट को बताया कि ईओडब्ल्यू केवल झुंडपुरा के शिवशक्ति कॉलेज के मामले की जांच कर रहा है, जबकि झुंडपुरा के जैसे ही जेयू से संबद्धता प्राप्त 200 कॉलेज हैं जो जमकर फर्जी डिग्रियां बांट रहे हैं।

एमपी हाईकोर्ट का निर्देश- फिल्म के टिकट पर हो शो शुरू होने का सही समय, विज्ञापन देखने पर मजबूर ना करें

ग्वालियर। मध्य प्रदेश ग्वालियर खंडपीठ ने सुनवाई के दौरान निर्देश दिया कि नियमों में संशोधन कर हर सिनेमा टिकट पर फिल्म का शो टाइम स्पष्ट रूप से अंकित किया जाए। कोर्ट ने यह भी कहा कि थिएटर में विज्ञापन दिखाए जा सकते हैं, लेकिन दर्शकों को उन्हें देखने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए।

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के इस निर्देश के बाद अब दर्शकों को शो शुरू होने का सही समय पता चल सकेगा। इसके साथ ही सिनेमाघरों द्वारा जबरन दिखाए जा रहे विज्ञापनों से छुटकारा मिलेगा।

नर्सिंग कर्मी ने आर्मी डॉक्टर बनकर साढ़े तीन लाख का लगाया चूना

जबलपुर। एक निजी अस्पताल के नर्सिंग कर्मी ने मेट्रोमोनी साइट पर विवाह के लिए अपनी प्रोफाइल बनाया। उसमें स्वयं को आर्मी का डाक्टर बताकर युवतियों के संपर्क में आया। इस दौरान एक युवती को विवाह का झांसा देकर उसको तीन लाख रुपये का चूना लगाया।

हनुमानताल पुलिस ने शुक्रवार को आरोपित हरिशंकर कौरव को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ करने पर पता चला कि वह विवाहित है। एक बच्चे का पिता है। युवती को ठगने वाले शातिर आरोपित के विरुद्ध धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध किया गया है।प्रोफाइल में स्वयं को अविवाहित और चिकित्सक बताया आरोपित हरिशंकर नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा का रहने वाला है। वह राइट टाउन स्थित अनंत हास्पिटल में काम करता है। उसने जीवन साथी आनलाइन एप्लीकेशन पर हरिशंकर विश्वकर्मा के नाम से विवाह के लिए प्रोफाइल बनाया। प्रोफाइल में स्वयं को अविवाहित और चिकित्सक बताया।

उसकी प्रोफाइल पर 29 वर्षीय युवती ने रुचि प्रदर्शित किया। उसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों की विवाह को लेकर बातचीत होने लगी। युवती के स्वजन ने उनके वैवाहिक रिश्तें के प्रस्ताव को मान लिया। उसके बाद हरिशंकर, युवती के घर आने-जाने लगा।

युवती के स्वजन से कहा कि अपने माता-पिता से बातचीत कर वह शीघ्र विवाह की तिथि तय करेगा। युवती और उसके स्वजन ने आरोपित की बातों का विश्वास कर लिया। उसके बाद आरोपित ने अलग-अलग कारण बताकर युवती से तीन लाख रुपये ले लिया।

आरोपित पकड़ा न जाए इसलिए उसने विवाह के लिए आनलाइन प्रोफाइल बनाते समय अपना उपनाम बदल लिया। मेट्रोमोनी के माध्यम से जब युवती से परिचय हुआ तो उसे स्वयं को जबलपुर में सेना के अस्पताल में पदस्थ होना बताया। पदनाम लेफ्टिनेंट डाक्टर बताया।

राइट टाउन स्थित अनंत हास्पिटल में पार्ट टाइम सेवा देने की जानकारी दी। आरोपित इतना शातिर था कि उसने छद्म नाम हरिशंकर विश्वकर्मा का जाली आधारकार्ड व पेनकार्ड तैयार करवा लिया।आर्मी अस्पताल में चिकित्सक होने का जाली नियुक्ति पत्र भी बना रखा था। यह जाली अभिलेख आरोपित ने युवती को भेजा। युवती ने उस पर विश्वास कर स्वजन को अपने विवाह के लिए सहमत कर लिया।

आरोपित और युवती के बीच लगभग आठ माह से बातचीत हो रही थी। इस दौरान आरोपित ने रूक-रूककर थोड़ा-थोड़ा करके लगभग 50 हजार रुपये युवती से ऐंठ लिया। इस दौरान विवाह की तिथि पर वह गोलमोल जवाब देकर बात टाल देता।

26 फरवरी को आरोपित ने युवती को फोन कर बताया कि उसके साथ प्रयागराज से लौटते समय दुर्घटना हो गई है। वह घायल है और सतना के अस्पताल में भर्ती है। उसे अधिक चोट है, उपचार के लिए भोपाल एम्स रेफर किया गया है। उसे तुरंत ढाई लाख रुपये चाहिए।

संभागायुक्त दीपक सिंह की अध्यक्षता में इन्दौर विकास प्राधिकरण संचालक मण्डल की बैठक सम्पन्न

इंदौर। संभागायुक्त सह इन्दौर विकास प्राधिकरण अध्यक्ष श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में आज इंदौर विकास प्राधिकरण संचालक मण्डल की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में विकास कार्यों संबंधी कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, वन मंडलाधिकारी श्री प्रदीप मिश्रा, संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश श्री शुभाशीष बेनर्जी, मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग श्री सी. एस. खरत एवं मुख्य कार्यपालिक अधिकारी इंदौर विकास प्राधिकरण श्री आर.पी. अहिरवार उपस्थित थे।

संचालक मण्डल द्वारा योजना क्रमांक 136 के भूखंड क्रमांक सी.एम.आर.-4 में आवासीय सह-वाणिज्यिक बहुमंजिला भवन का निर्माण किये जाने की निविदा स्वीकृत की गई। यह परियोजना 10 हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में विकसित की जाएगी और इसमें आधुनिक सुविधाओं से युक्त 20 मंजिला भवन का निर्माण कराया जाएगा। भवन की प्रारंभिक दो मंजिलें बेसमेंट पार्किंग के लिए आरक्षित रहेंगी। कुल निर्मित क्षेत्र 38 हजार 600 वर्गमीटर होगा। भवन की अधिकतम ऊँचाई 60 मीटर होगी। इस परियोजना की कुल अनुमानित लागत 120 करोड़ रूपये आंकी गई है। इस भवन में 3, 4 एवं 5 बीएचके के कुल 90 प्रकोष्ठ का निर्माण किया जाएगा, जो क्रमशः 200, 270 व 320 वर्गमीटर क्षेत्रफल के होंगे। सभी प्रकोष्ठ समान संख्या में अर्थात प्रत्येक श्रेणी के 30-30 प्रकोष्ठों का निर्माण किया जाएगा। वाणिज्यिक गतिविधियों के लिए 4600 वर्ग मीटर आरक्षित किया गया है, जिसके अंतर्गत जीम, शोरूम, ऑफिस आदि बनाए जाएंगे। यह भूखंड एयरपोर्ट से 17 किमी, बस स्टैंड व रेल्वे स्टेशन से 8 व 6 किमी व अस्पताल से मात्र 2 किमी की दूरी पर स्थित है। इस परियोजना से आधुनिक शहरी बुनियादी ढांचे का विकास होगा।

एक अन्य निर्णय में संचालक मण्डल द्वारा ग्राम बिहाडिया के सर्वे नंबर 68/1/1, 68/1/2, 96/1/1, 96/1/2 कुल रकबा 3.087 हेक्टेयर पर विकास कार्य हेतु प्रशासकीय स्वीकृति 7.30 करोड़ रूपये एवं ग्राम शिव नगर तहसील डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) जिला इन्दौर स्थित भूमि सर्वे नंबर 34/1, 34/2, 34/3, 34/4 एवं 40 कुल रकबा 6.252 हेक्टेयर पर विकास कार्य हेतु प्रशासकीय स्वीकृति 14.57 करोड़ रूपये, इस प्रकार कुल राशि 21.87 करोड़ रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

संचालक मण्डल द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 की गाईड लाईन को प्राधिकारी में लागू किये जाने का निर्णय लिया गया।

संचालक मण्डल द्वारा प्राधिकारी की योजना क्रमांक 78 अरण्य में आवासीय उपयोग के भूखण्ड क्रमांक 38-ए कार्नर (सामान्य) हेतु, योजना क्रमांक 78 प्रथम फेस-2 में औद्योगिक उपयोग के भूखण्डों हेतु, योजना क्रमांक 151 में सुपर कॉरिडोर के भूखण्ड क्रमांक 27-सी (व्यावसायिक) हेतु, योजना क्रमांक 78 द्वितीय (ऑक्सीडेशन पॉण्ड) में पी.एस.पी. उपयोग के भूखण्ड क्रमांक 4-बी (अ.ज.जा.) हेतु एवं योजना क्रमांक 78 द्वितीय (ऑक्सीडेशन पॉण्ड) में पी.एस.पी. उपयोग के भूखण्ड क्रमांक 6 (मेजर रोड़ व कार्नर) हेतु प्राप्त निविदाओं पर विचार करते हुए अधिकतम निविदादाताओं की निविदा स्वीकृत की गई।

ग्राम बिहाड़िया तहसील बिचौली हप्सी स्थित अविकसित ग्रीन लाईफ सिटी कॉलोनी में बंधक भूखण्डों हेतु एवं ग्राम शिव नगर तहसील डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) स्थित अविकसित ग्रीन लाईफ सिटी कॉलोनी में बंधक भूखंडों के व्ययन हेतु न्यूनतम दरें निर्धारित की गई। एक अन्य निर्णय में प्राधिकारी द्वारा बडा गणपति फ्लाय ओव्हर के अलाईनमेंट में आ रही ड्रेनेज लाईन एवं पानी की लाईन को हटाने हेतु 11.38 करोड़ रूपये की स्वीकृति प्रदान की गई। राशि इन्दौर नगर पालिक निगम को दी जायेगी।

3 लाख विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा देकर किया कौशल उन्नयन

इंदौर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति में विद्यार्थियों के कौशल उन्नयन के लिये इस वर्ष 3 लाख विद्यार्थियों को व्यावसायिक शिक्षा दिलाई गई है। इस शैक्षणिक सत्र में प्रदेश के 2383 हायर सेकेण्डरी स्कूलों में व्यावसायिक शिक्षा प्रारंभ की गई है। नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में विद्यार्थियों को सुलभता से रोजगार उपलब्ध कराने के लिये व्यावसायिक शिक्षा पर जोर दिया गया है। नई शिक्षा नीति में इस बात पर ध्यान दिया गया है कि तेजी से बढ़ती हुई विश्व की अर्थव्यवस्था में हम सभी का किस प्रकार से योगदान हो। बढ़ती हुई आबादी के साथ जनता के लिये उनकी शिक्षा, कौशल तथा आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार का सृजन एक महत्वपूर्ण चुनौती है। इसी चुनौती का सामना करने के लिये स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शालाओं में विद्यार्थियों को उनकी रूचि के अनुसार वर्तमान परिदृश्य को देखते हुए व्यावसायिक शिक्षा देने की व्यवस्था की गई है। इसके लिये स्कूलों में नये ट्रेडों की शुरूआत की गई है। इसके लिये प्रशिक्षकों की सेवा भी ली जा रही है।

शैक्षणिक गुणवत्ता के लिये प्रशिक्षण पर जोर- प्रदेश में सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये इस वर्ष 40 हजार से अधिक शिक्षकों को विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण दिलाया गया है। प्रशिक्षण की व्यवस्था में प्रारंभिक तौर पर मास्टर ट्रेनर्स भी तैयार किये गये हैं।

ड्रॉप-आउट बच्चों की संख्या कम करने के लिये प्रयास- सरकारी स्कूलों में कक्षा 5वीं से 6वीं, कक्षा 8वीं से 9वीं और कक्षा 10वीं से 11वीं में प्रवेश के समय अनेक विद्यार्थी स्कूल बदलते हैं।

यूनियन कार्बाइड कचरे के निष्पादन का ट्रायल रन हुआ शुरू

इंदौर। उच्च न्यायालय जबलपुर द्वारा रिट पिटीशन क्रमांक 2802/2004 (आलोक प्रताप सिंह विरूद्ध यूनियन ऑफ इण्डिया एवं अन्य) में 18 फरवरी 2025 को पारित आदेश के अनुपालन में यूनियन कॉर्बाईड भोपाल के अपशिष्ट का ट्रॉयल डिस्पोजल पीथमपुर इण्डस्ट्रीयल वेस्ट मैनेजमेंट प्रोजेक्ट प्रा.लि., औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के इन्सीनरेटर में 27 फरवरी 2025 को प्रारंभ किया गया। यूनियन कार्बाइड का अपशिष्ट 12 सीलबंद कण्टेनर्स में पीथमपुर लाया गया था, जिसमें 05 प्रकार के अपशिष्ट सेविन रेसिड्यू नेष्थॉल रेसिड्यू, रियेक्टर रेसिड्यू, सेमिप्रोसेस्ड पेस्टीसाईड एवं परिसर की मिट्टी लाई गई है। ट्रॉयल रन हेतु पांचों अपशिष्ट के एक-एक कण्टेनर 27 फरवरी 2025 को जिला प्रशासन की ओर से एसडीएम पीथमपुर, तहसीलदार पीथमपुर, केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशक भोपाल, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में खोले गये हैं तथा अपशिष्ट को पृथक-पृथक हजारडस वेस्ट स्टोरेज शेड में रखा गया है। पांचों अपशिष्ट को मिलाकर कुल मात्रा 10 टन जलाई जायेगी।

इन्सीनरेटर को 27 फरवरी 2025 को रात्रि 10 बजे से डीजल द्वारा प्रारंभ किया गया है, जो लगभग 12 से 14 घण्टे बिना अपशिष्ट के डाले ही चलाया गया है, ताकि प्रथमिक दहन कक्ष का तापमान 850 डिग्री सेंटीग्रेड एवं द्वितीयक दहन कक्ष का तापमान 1100 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक प्राप्त हो। डीजल से इन्सीनरेटर को चलाये जाने पर लगभग 500 से 600 लीटर/घण्टा डीजल की खपत आई है।

निर्धारित तापमान प्राप्त होने पर दिनांक 28 फरवरी 2025 को अपराह्न 03 बजे से यूनियन कॉर्बाईड के अपशिष्ट का दहन प्रारंभ किया गया है। 135 कि.ग्रा./घण्टा की दर से अपशिष्ट की फिडिंग की जा रही है, जिसमें 4.5 किलोग्राम अपशिष्ट में 4.5 किलोग्राम चूना मिलाकर यानि 09 किलोग्राम के बैग बनाये गये तथा एक घण्टे में 30 बैग इन्सीनरेटर के प्राथमिक दहन कक्ष में डाले जा रहे हैं। इन्सीनरेटर के संचालन से उत्पन्न होने वाली फ्लू गैस के शोधन हेतु स्थापित व्यवस्थाएं स्प्रे ड्रॉयर, मल्टी सॉयकलॉन, ड्रॉय स्कबर, बैग फिल्टर, वेट स्कबर सभी प्रभावी ढंग से संचालित हो रहे हैं तथा चिमनी से हो रहे उत्सर्जन की लगातार जांच हेतु ऑनलाईन कन्टीन्यूअस ईमीशन मॉनीटरिंग सिस्टम संचालित है, जिसके द्वारा कॉर्बनमोनो ऑक्साईड, कॉर्बनडाई ऑक्साईड, ऑक्सजीन, हाईड्रोजन फ्लोराईड, हाईड्रोजन क्लोराईड, पर्टिकुलेट मेटर, सल्फरडाई ऑक्साईड, नाईट्रोजन के ऑक्साईड, टोटल आर्गेनिक कॉर्बन की जांच की जा रही है तथा रिजल्ट म.प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सर्वर पर प्राप्त हो रहे हैं,

भूमाफिया की 2 कॉलोनियों में 83 बंधक भूखंडों को बेचकर 22 करोड़ के विकास कार्य करवाएगा प्राधिकरण, इंदौर में होगा प्रदेश का पहला अनूठा प्रयोग

इंदौर। प्रशासन को आए दिन भूखंड पीड़ितों की शिकायतें मिलती है, जिसमें गृह निर्माण संस्थाओं के अलावा अन्य निजी कॉलोनियां भी शामिल हैं, जिनमें विकास कार्य आधे-अधूरे छोड़ दिए गए। कलेक्टर आशीष सिंह ने इस मामले में अनूठी पहल करते हुए ऐसे भूमाफियाओं पर जहां एफआईआर दर्ज करवाना शुरू की, वहीं अधूरे विकास कार्य पूरे कराने की जिम्मेदारी इंदौर विकास प्राधिकरण को सौंपी और बदले में बंधक भूखंडों को टेंडर के जरिए बेच दिया जाएगा। आज सुबह संभागायुक्त कार्यालय में हुई प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में इस नए प्रयोग को मंजूरी दी गई, जिसमें भूमाफिया अरविन्द बंजारी की महू के शिव नगर और बिहाडिया स्थित ग्रीन लाइफ सिटी कॉलोनी में 22 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाने और 83 बंधक भूखंडों को बेचने के लिए उनकी दरों को तय करने का फैसला लिया गया। प्रशासन अब अन्य कॉलोनाइजरों के खिलाफ भी इसी तरह की कार्रवाई करेगा। प्राधिकरण बोर्ड बैठक में अन्य प्रस्तावों को भी मंजूरी दी गई, जिसमें भूखंडों के प्राप्त टेंडरों के प्रस्ताव शामिल रहे।

बंधक भूखंडों को राजसात करवाकर निजी कॉलोनियों का विकास अब इसी तर्ज पर करवाया जाएगा और इसके लिए इंदौर विकास प्राधिकरण का चयन प्रशासन ने किया है और इसके बदले 16 फीसदी सुपर विजन चार्ज प्राधिकरण को प्राप्त होगा। पिछले दिनों कलेक्टर आशीष सिंह को ग्रीन लैंड शेल्टर्स के संबंध में कई पीड़ितों ने शिकायतें की, जिसमें महू के शिव नगर और बिहाडिया के बिचौली क्षेत्र में कॉलोनी का आधा-अधूरा विकास करने की शिकायतें शामिल रही, जिसके चलते कलेक्टर ने जहां इन कॉलोनियों से संबंधित भूमाफिया अरविन्द बंजारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई। साथ ही अधूरे विकास कार्य पूरे करवाने का निर्णय लिया और कॉलोनी के बंधक भूखंडों को नीलाम कर विकास कार्य की राशि हासिल की जाएगी।

प्राधिकरण सीईओ आरपी अहिरवार के मुताबिक आज की बोर्ड बैठक में उक्त प्रस्ताव रखा गया है, जिसमें बिहाडिया के सर्वे नम्बर 68/1/1, 68/1/2, 96/1/1 और 96/1/2 की लगभग 9 एकड़ जमीन के अलावा महू के शिव नगर में स्थित 15 एकड़ ग्रीन लाइफ सिटी कॉलोनी पर बचे हुए विकास कार्य करवाए जाएंगे, जिस पर लगभग 22 करोड़ रुपए की राशि खर्च होगी। इसमें सीमेंट कांक्रीट की रोड, जल प्रदाय, सीवर लाइन, वर्षा के पानी की निकासी, बगीचे की बाउण्ड्रीवाल सहित अन्य मूलभूत कार्य शामिल रहेंगे।

प्राधिकरण बनाएगा 20 मंजिला बिल्डिंग में 90 लक्झरी फ्लैट- प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में आज 15 प्रस्तावों पर निर्णय लिए गए, जिसमें एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट भी शामिल है, जो कि योजना क्रमांक 136 के 10 हजार वर्गमीटर यानी 1 लाख स्क्वेयर फीट के बड़े भूखंड सीएमआर-4 पर विकसित किया जाएगा, जिसमें हाइराइज, वाणिज्यिक स आवासीय टॉवर निर्मित होंगे। 60 मीटर ऊंचे ये टॉवर 20 मंजिला रहेंगे, जिसमें 3, 4 और 5 बैडरुम के 90 लग्जरी फ्लैट निर्मित किए जाएंगे।

3 मार्च को ग्रामीण हाट बाजार में विशाल रोजगार मेला

इंदौर। राज्य शासन की मंशा के अनुसार इंदौर जिले के बेरोजगार युवाओं को नौकरी देने के लिए रोजगार मेलों का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। इसी सिलसिले में 3 मार्च को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक ढँकनवाला कुआँ स्थित ग्रामीण हाट बाजार में विशाल रोजगार मेला (मेगा युवा संगम कार्यक्रम) आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के तीन हजार से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कम्पनियों में नौकरी दिलवाई जायेगी। यह मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया जा रहा है। उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मण्डलोई ने बताया कि उक्त रोजगार मेले में जहां एक ओर आवेदकों को नौकरी दिलवाई जायेगी। साथ ही ऐसे आवेदक जो स्वयं का उद्योग, व्यवसाय लगाना चाहते है, उन्हें मार्गदर्शन देने के साथ ही लोन की प्रक्रिया बताकर उनके लोन प्रकरण भी तैयार कराये जायेंगे। रोजगार मेले में कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे पंतजली फूड, एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स, भारतीय एयरटेल, हैटराईज इन्फोटेक आदि।

मृत्युंजय महाकाल त्राहिमाम शरणागतः ,
जन्म मृत्यु जरा व्याधि पीड़ितो कर्म बंधनाह
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर प्रभु सभी को आरोग्यता प्रदान करें।

राजाधिराज महाकाल बाबा ने अपने भक्तों को दिये पंच मुखाबरबिंद दर्शन

वर्ष में केवल एक बार होता है महाकाल राजा का ऐसा श्रृंगार

उज्जैन राजाधिराज श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा महाकाल आज अपने पंच मुखारविंद स्वरुप में भक्तों को दर्शन दिए, महाकाल राजा वर्ष में केवल एक बार इस स्वरुप में अपने भक्तों को दर्शन देते हैं। कहा जाता है कि आज की तिथि को ही बाबा ने चंद्रमा को अपने मस्तक पर धारण किया था।

उज्जैन में विराजमान बाबा महाकाल फाल्गुन शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथि के मौके पर पंच मुखारविंद स्वरुप में नजर आए वैसे तो श्री महाकालेश्वर मंदिर में बाबा का रोज ही अलग अलग श्रृंगार होता है, लेकिन शिव नवरात्रि के अंतिम दिन यानी फाल्गुन शुक्ल

पक्ष द्वितीया को बाबा अपने सभी पंच स्वरुपों में दर्शन देते हैं। वह एक साथ अपने पांचों स्वरूप छबीना, मनमहेश, उमा-महेश, होलकर और शिवतांडव के रूप में भक्तों के सामने उपस्थित होते हैं.एक साथ उनके इन सभी स्वरुपों का दर्शन पाने के लिए भक्तों का रेला उमड़ता है।

महाकालेश्वर मंदिर के पुजारी के मुताबिक महाशिवरात्रि के बाद बाबा फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा पर चंद्र दर्शन के दिन हर साल इस रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं।

हालांकि इस बार प्रतिपदा तिथि के क्षय होने की वजह से बाबा द्वितीया तिथि को पंच मुखारविंद स्वरुप में सामने आए पुजारी के मुताबिक श्री महाकालेश्वर मंदिर की परंपरा के मुताबिक हर साल फाल्गुन कृष्ण पंचमी से फाल्गुन कृष्ण त्रयोदशी महाशिवरात्रि तक 9 दिन का शिव नवरात्रि उत्सव धूमधाम से मनाया जाता है।

मस्तक पर चंद्रमा को धारण करने की तिथि

मंदिर के पुजारी पं महेश शर्मा बताते हैं कि भगवान शिव को पंचानन कहा जाता है और वे पांच स्वरूप में जगत का कल्याण करते हैं। इसीलिए फाल्गुन शुक्ल पक्ष की द्वितीया का दिन ही एक ऐसा अनोखा अवसर होता है, जब बाबा महाकाल चंद्र दर्शन के दिन साल में सिर्फ एक बार भक्तों को अपने पांच स्वरूपों में दर्शन देते हैं। दरअसल बाबा ने इसी तिथि को चंद्रमा का कल्याण करते हुए उन्हें अपने मस्तक पर स्थान दिया था।

भारतीय बौद्ध महासभा ने राष्ट्रपति के नाम दिया ज्ञापन बौद्ध मंदिर को अबौद्धों से मुक्त करने की मांग

उज्जैन। कोठी पैलेस स्थित संकुल भवन पर भारतीय बौद्ध महासभा समाज के लोगों ने राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपकर बिहार प्रदेश के बौद्ध मंदिर को अबौद्धों से मुक्त करने की मांग की है। यह मांग बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर के प्रबंधन को लेकर की गई है। जिसमें बौद्ध समाज की भागीदारी कम होने का आरोप लगाया गया है बौद्ध समाज के धर्मगुरु धम्म बौद्धि भंते ने बताया कि महाबोधि मंदिर का प्रबंधन बौद्ध समाज के हाथ में नहीं है, जिससे मंदिर की पवित्रता और बौद्ध धर्म की परंपराओं का उल्लंघन हो रहा है। उन्होंने मांग की है कि मंदिर का प्रबंधन बौद्ध समाज के हाथ में सौंपा जाए, ताकि मंदिर की पवित्रता और बौद्ध धर्म की परंपराओं का पालन किया जा सके। बौद्ध समाज के लोगों ने राष्ट्रपति को संबोधित करते हुए कहा कि वे महाबोधि मंदिर को अबौद्धों से मुक्त करने के लिए कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि यह मंदिर बौद्ध धर्म केड्ढअनुयायियों के लिए बहुत पवित्र है और इसका प्रबंधन बौद्ध समाज के हाथ में होना चाहिए। इस दौरान बौद्ध समाज के कई लोग मौजूद थे। राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा कर समाज के लोगों ने मांग की है कि इस समस्या का जल से निराकरण किया जाए। कलेक्टर के प्रतिनिधि ने ज्ञापन लेकर समाज जनों को राष्ट्रपति महोदय तक ज्ञापन पहुंचने का आश्वासन दिया है। ज्ञापन में अध्यक्ष आर आर जवादे, सचिव पंकज कांबले, मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सोलंकी, महिला अध्यक्ष माला लोखंडे, सुनीता गोलघाटे, संगीता टेंभुरने, शशि कांत देशभरतार, मंगला सिरशाट, मनोज नागदेव, संगीता धवले, मनोहर मानवटकर, आदि लोग मौजूद रहे।

आज होगा नागर ब्राह्मण समाज का सामूहिक विवाह समारोह

उज्जैन। भूतभावन महाकाल की नगरी में समाजोत्थान हेतु, रूढ़िवादिता के शमन हेतु, पाखंड और आडम्बर को समाप्त करने के पवित्र संकल्प के साथ सामूहिक विवाह समारोह एवं यज्ञोपवीत संस्कार का आयोजन आज 2 मार्च को नया आरटीओ रोड़, नागदा बायपास दाउदखेड़ी स्थित गौरीसन होटल में होने जा रहा है।

मध्य प्रदेश नागर ब्राह्मण परिषद के तत्वावधान में केदार रावल, महिला शाखा अध्यक्ष सोनिया मंडलोई के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम संयोजक पं. हेमन्त व्यास प्रदेश महासचिव म.प्र.नागर ब्राह्मण परिषद ने बताया कि आचार्य पंडित कैलाश शुक्ल के मार्गदर्शन में वैदिक पद्धति से कुल 11 जोड़ो का विवाह संस्कार और छह बटुको का यज्ञोपवीत संस्कार संपन्न होगा।

10 साल के बाद कर्मचारियों को मिलेगा वेतन रिवाइज का लाभ

उज्जैन। श्रम विभाग के द्वारा न्यूनतम वेतन रिवाइज के आदेश निकलने पर उज्जैन दुग्ध संघ मक्सी रोड प्लांट में कर्मचारियों खुशी व्यक्त की एवं कर्मचारियों ने एक दूसरे का मुंह मीठा कराया।

इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के उज्जैन आगर विभाग प्रमुख के नेतृत्व कर्मचारियों को आउटसोर्स कर्मचारी संघ के संभाग अध्यक्ष गुलशन मंसूरी के द्वारा पुष्प माला पहनाकर सम्मान किया गया एवं शुभकामनाएं दी गई। विदित हैं कि कर्मचारियों को 10 साल के बाद वेतन रिवाइज का लाभ मिलने जा रहा है। जिसमें भारतीय मजदूर संघ के द्वारा महत्वपूर्ण भूमिका निभाई गई है। उज्जैन जिले में सांची दुग्ध संघ एक ऐसा विभाग है जहां पर आउटसोर्स कर्मचारियों को पूरी ईमानदारी से ओवर टाइम का पैसा एवं न्यूनतम वेतन का भुगतान किया जाता है। यह आदर्श संस्था है, जहां सभी क्लेमों का भुगतान भी समय पर होता है।

इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ के जिला अध्यक्ष मनीष कारपेंटर, जिला मंत्री किशन सिंह शेखावत, वरिष्ठ नेता लक्ष्मी नारायण रजक, बीएमएस अधिवक्ता शिव चरण शर्मा, आर के एस प्रदेश संगठन मंत्री मनोहर गिरी, जिला संयोजक ओम यादव, मांगीलाल पाटीदार, राम सिंह बनिहार, शैलेंद्र सिंह ठाकुर, राजीव सिंह सेंगर, नवीन चौहान सहित बड़ी संख्या पदाधिकारी एवं कर्मचारी साथियों ने बधाई दी। इस अवसर पर सांची प्लांट के समस्त कर्मचारी उपस्थित थे।

श्री हृदेश्वर महादेव मंदिर में भजन कीर्तन के साथ 100 निराश्रित बुजुर्गों को वितरित किये गेहूं

उज्जैन। युवा मंच सत्संग समिति उज्जैन के तत्वाधान में उज्जैन नगर के 100 निराश्रित बुजुर्गों को प्रतिमाह 10 किलो गेहूं प्रत्येक बुजुर्ग को दिए जाते हैं। इसी कड़ी में 1 मार्च को मार्च माह का गेहूं वितरण किया गया।

समाजसेवी अजीत मंगलम ने बताया कि पंचकोशी यात्रा का प्रथम व अंतिम पड़ाव स्थल श्री हृदेश्वर महादेव मंदिर जीरो पॉइंट ब्रिज हीरा मिल परिसर पर आयोजित कार्यक्रम में पहले भक्ति फिर बुजुर्गों के द्वारा कीर्तन किए गए।

गेहूं वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माली समाज उज्जैन के वरिष्ठ शिवनारायण जागीरदार। आलू प्याज व्यापारी संगठन के अध्यक्ष ओम अरोड़, एड. बाबूलाल मारोठिया, लायंस क्लब महाकाल के वरिष्ठ लायन कैलाश डागा थे।

इस वर्ष का तीसरे माह का गेहूं वितरण मंच अध्यक्ष मनोहर परमार, उपाध्यक्ष महेश सोनोने उमेश शर्मा, सचिव विजय तिवारी, सह सचिव पारस कुमार जैन, कोषाध्यक्ष पंडित संतोष शर्मा, कार्यालय प्रभारी अशोक कपूर, महेंद्र रामी, पंढरीनाथ जैन, धर्मेंद्र जैन, मूलचंद राठौर, राजू लश्करी, किशोर भाटी, रोशन चौधरी, सुरेश नोटिया, बाबूलाल यादव, महेश राठौर, युवा मंच महिला सत्संग समिति संयोजक गीता रामी, अध्यक्ष पिंकी यादव, सचिव लक्ष्मी लश्करी, सहसचिव मीता अठिया, नीतू राठोर, योगिता आर्य सहित महिला मंच की बहने उपस्थित रही। गेहूं वितरण हेतु विदुशी सेन द्वारा 1100 रूपये, फूल सिंह जरिया द्वारा 1100 रूपये भेंट किये गये। अतिथि, दानदाता, सभी का आभार मंच संस्थापक गोपाल बागरवाल ने माना।

सुधीर भाई की मुख्य सचिव से सौजन्य भेंटकर आश्रम आमंत्रित किया

उज्जैन। 'अंकित ग्राम' सेवाधाम आश्रम संस्थापक संचालक सुधीर भाई गोयल ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन से भोपाल में सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर सुधीर भाई ने आश्रम की विविध गतिविधियों की जानकारी प्रदान करते हुए आश्रम में निवासर 1100 से अधिक बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों से आत्मीय मुलाकात हेतु आमंत्रित किया। श्री जैन ने भी आश्रम आगमन की स्वीकृति प्रदान की। आश्रम के दायित्वोत्सव का स्मृति चिन्ह एवं भगवान महाकाल बाबा का श्री डी चित्र भेंट किया।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com